भाद्रपद, पक्ष - शुक्ल, तिथि - पंचमी, संवत 2080 जयपुर, बुधवार वर्ष-9, अंक-30, 20 सितम्बर - 26 सितम्बर, 2023 मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/- पृष्ठ : 8

भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

विघ्नेश्वराय वरदाय सुरप्रियाय
लम्बोदराय सकलाय जगद्धितायं।

जयपुर, 20 सितम्बर - 26 सितम्बर, 2023

गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएँ

नागाननाथ श्रुतियज्ञविभूषिताय
गौरीसुताय गणनाथ नमो नमस्ते॥

चुनाव के पहले महंगाई शब्द का रोना सब रोते हैं, मगर इलाज क्या है?

सटीक

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

महंगाई एक ऐसा शब्द बन गया है जो हर किसी की जुबान पर बैठ गया है। कोई भी सामान खरीदने जाओ तो कहा जाता है। महंगा बहुत है। सब्जी लेने जाओ तो महंगी बहुत है। गाड़ी खरीदने जाओ तो महंगी है। खाने, पीने, घर, गृहस्थी का कोई भी सामान खरीदने जाएंगे तो महंगा शब्द जरूर मुंह पर आएगा। आखिर ये महंगाई है क्या जो सुरसा के मुहं की तरह बढ़ती ही जा रही है। मेरे बचपन की याद है मेरे बड़े भाई साहब की शादी में सोना खरीदा था तब 212 रुपए का तोला था। आज सोने का भाव 60 हजार रुपए प्रति दस ग्राम से ज्यादा हो गया। ये सब महंगाई का ही तो कमाल है। इसलिए महंगाई तो एक जुमला है राजनीति में एक हथियार की तरह प्रयोग किया जाता है। बाकी दुनिया अपनी रफ्तार से आगे बढ़ रही है। आज लोग बढ़िया खा रहे हैं, बढ़िया पहन रहे हैं। महंगी शराब पी रहे हैं। महंगे गुटखा, तम्बाकू खा रहे हैं। महंगे-महंगे मोबाइल फोन लिए हुए हैं। एक-एक के पास एक से अधिक मोबाइल और सिम हैं। घर के हर सदस्य के पास अलग मोबाइल हैं। गाड़ियों में घूम रहे हैं। मगर रोना महंगाई का रोते रहते हैं। महंगा क्या लगता है। आटा, दाल, चीनी, दूध, तेल, सब्जी यानि की जीवनयापन के लिए जो वस्तुएं हैं वे महंगी लगती है। अरे भाई जीवन जीने के लिए जो हमें चाहिए वे तो सब सस्ती है। और फिर भी सस्ती चाहिए तो फिर पैदा करने वाले किसानों को महंगी वस्तुएं कैसे मिलेंगी। इसलिए उन्हें भी तो महंगा बेचना पड़ता है। मगर नीयत क्या हो गई है कि जब भी हम कोई वस्तु खरीदें तो वह सस्ती होनी चाहिए और उसी को जब हम बेचें तो महंगी होनी चाहिए। ऐसे में इस महंगाई के जुमले को राजनीतिक दल और नेता चुनावों का हथियार बना लेते हैं। जब 1977 में दो रुपए किलो चीनी थी तब आम आदमी की तनखा भी 200 से 400 रुपए रही होगी। मजदूरी भी उसी हिसाब से रही होगी। मगर आज जब चीनी 40 रुपए किलो से ऊपर है तो लोगों की तनखा और मजदूरी भी हजारों लाखों में है। इसलिए महंगाई अनवरत रूप से बढ़ती रहेगी और आदमी विकास करता रहेगा। मगर ये नेता इसी महंगाई के नाम पर प्रत्येक चुनाव में वोट मांगते रहेंगे। महंगाई कभी कम नहीं होगी। अगर हुई हो तो बताइये कि किस सरकार में महंगाई कम हुई हो। कुछ न कुछ बढ़ोतरी ही हुई है। इसलिए वोट मांगने के लिए महंगाई का आलाप यूं ही चलता रहेगा।

Shivdayalmishra@gmail.com

पुराने संसद भवन का नाम 'संविधान सदन'

बड़े कैनवास पर काम करने की जरूरत-मोदी

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि संसद को अमृत काल के अगले 25 वर्ष में बड़े कैनवास पर मिलकर काम करना है और जनता की आकांक्षाओं के अनुसार नीतियों और कार्यक्रमों में सुधार लाकर देश की सर्वांगीण प्रगति को गति देनी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि संसद की सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए कि हम लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने वाले नये कानून बनाएं और पुराने पड़ चुके कानूनों को समाप्त करें। उन्होंने कहा कि भारत इस समय दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ रहा है और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की कगार पर है। पूरी दुनिया हमें अपेक्षा से देख रही है। उनका कहना था कि असंतुलित विकास समृद्धि नहीं दे सकता इसलिए सर्वांगीण विकास की दिशा में एकजुटता के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है। मोदी ने मंगलवार को नये संसद भवन में कार्यवाही शुरु होने पहले पुराने संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में आयोजित दोनों सदनों के विशेष संयुक्त अधिवेशन को संबोधित करते हुए पुराने संसद भवन का नाम 'संविधान सदन' रखने का प्रस्ताव किया और समारोह में मौजूद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला तथा राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ से इस प्रस्ताव कार्यवाही करने का भी अनुरोध किया। उन्होंने कहा, ''आज हम यहां से विदा लेकर संसद के नए भवन में बैठने वाले हैं और ये बहुत शुभ है कि गणेश चतुर्थी के दिन वहां बैठ रहे हैं। हम सब भाग्यवान है कि आज भारत उम्मीदों की उस ऊंचाई पर है जो शायद पिछले एक हजार साल में भी नहीं रही होगी। हम यहां से उठकर एक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प और निश्चय के साथ नये संसद भवन में जा रहे हैं। यह क्षण भावुकता है लेकिन कर्तव्य पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित भी करता है। संविधान सदन हमें दिशा देता रहेगा और हमें याद दिलाता रहेगा उन महान विभूतियों की जो संविधानसभा के सदस्य थे और जिन्होंने हमारा संविधान गढकर हमें दिया।"

मोदी ने कहा "समय की मांग है कि आत्म निर्भर भारत के संकल्प पूरा करना है उसमें दल आड़े नहीं आते हैं इसके लिए सिर्फ दिल चाहिए और वह दिल सिर्फ देश के लिए चाहिए। हमें प्रत्येक भारतीय की आकांक्षाओं को ध्यान में रखकर सुधार करने होंगे। निर्णय करते समय लोगों की आकांक्षा हमारी सोच में सबसे ऊपर होनी चाहिए। हमें अमृतकाल में आत्मनिर्भर भारत बनाना है। नयी उम्मीदों के बीच संसद का यह सर्वोच्च दायित्व है कि वह जनआकांक्षाओं को पूरा करने के लिए नये कानून बनाए और पुराने पड़ चुके कानूनों को निरसन करे।"

प्रधानमंत्री ने कहा "भारत आज विश्वमित्र के रूप में उभर रहा है। जी-20 शिखर सम्मेलन में भारत ग्लोबल साउथ (गरीब और विकासशील देशों) की आवाज बना। भारत नई ऊर्जा से भरा हुआ है।

पितृ दोष दूर करिए

पितृ मोक्ष की राह हुई आसान

16 दिन नियमित कराएं श्री गया जी में पितृ श्राद्ध

श्री गया जी में पूरे पितृ पक्ष के दौरान रहने, खाने एवं रुकने की व्यवस्था, पंडितों की दक्षिणा, 16 दिनों तक हवन, पिंडदान एवं ब्राह्मण भोजन की व्यवस्थाओं के चलते लाखों रुपए का खर्चा होता है। जिसे आम आदमी वहन नहीं कर पाता। इसलिए ऐसे लोगों के लिए नवारुन चेरिटेबल फाउण्डेशन एवं आरना एसोसिएट ने कम खर्चे में पितृ श्राद्ध जैसा पुण्य कार्य करवाने का बीड़ा उठाया है। प्रत्येक यजमान के साथ पिंडदान कार्य करवाने के लिए अलग से ब्राह्मण की व्यवस्था सहित इसके लिए श्राद्ध कर्म में होने वाले सम्पूर्ण व्यय का आधा खर्चा संस्था वहन करेगी। जिसमें आने-जाने का किराया भी शामिल है। ये व्यवस्था लाखों में नहीं अपितु हजारों में ही हो जाएगी।

पहले आओ, पहले पाओ संख्या सीमित है

आप सोचेंगे कि अभी तो श्राद्ध पक्ष में बहुत समय बाकी है, लेकिन ऐसा नहीं है। श्री गयाजी में अभी से तैयारियां होने लग गई हैं। इसलिए ऐनमौके पर व्यवस्था करने में कठिनाई होती है। अत : श्राद्ध कराने के इच्छुक निम्न नंबरों पर अभी से सम्पर्क कर सकते हैं :-

-: सौजन्य से :-

नवारुन चेरिटेबल फाउण्डेशन एवं आरना एसोसिएट

मो. नं. 8561088777, 9928022718, 9829118962

जागरूक खबरें

■ पीएम मोदी 25, तो राहुल गांधी 23 सितंबर को आएंगे जयपुर

जयपुर @ जागरूक जनता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 सितम्बर को जयपुर आएंगे। वे जयपुर के वाटिका रोड स्थित दादिया में भाजपा की परिवर्तन यात्रा के समापन पर आयोजित सभा को संबोधित करेंगे। सभा की तैयारियों को लेकर पार्टी ने काम बांटना शुरू कर दिया है। सभा के लिए 2.60 लाख लोगों की भीड़ जुटाने का दावा किया जा रहा है। सभा स्थल पर भूमि पूजन शनिवार को होगा। वहीं, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद राहुल गांधी 23 सितंबर को जयपुर आएंगे। वे मानसरोवर में बनने वाले प्रदेश कांग्रेस के नए भवन का शिलान्यास करने के साथ जनसभा को भी संबोधित करेंगे। हालांकि जनसभा मानसरोवर में होगी या किसी अन्य स्थान पर, यह अभी तय नहीं हो पाया है। राहुल गांधी के दौरे को लेकर प्रदेश कांग्रेस ने तैयारियां भी तेज कर दी है।

■ सुनील शर्मा को मिली पीएचडी उपाधि

जयपुर @ जागरूक जनता।
गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी सुनील कुमार शर्मा को पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग मणिपाल विश्वविद्यालय से पीएचडी की उपाधि प्राप्त हुई है। उल्लेखनीय है कि शर्मा ने "असेसिंग द रोल ऑफ लीडिंग प्रिंट मीडिया हाउसेज ऑफ राजस्थान इन क्रिएटिंग अवेयरनेस ऑन सोशल इश्यूज" विषय पर अपना शोध कार्य संपन्न किया है। उन्होंने यह शोध कार्य गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुभाष कुमार के निर्देशन में पूर्ण किया है।

गणेश चतुर्थी : मोती डूंगरी मंदिर में दर्शन के लिए लगी भीड़

भगवान गणेश चांदी के सिंहासन पर विराजे, सोने का मुकुट धारण किया

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर के मोती डूंगरी गणेश मंदिर, नहर के गणेश जी, गढ़ गणेश समेत कई मंदिरों में गणेश चतुर्थी का जश्न मनाया गया। मोती डूंगरी गणेश मंदिर में सुबह 4 बजे मंगला आरती से शुरुआत हुई। भगवान का दूध पंचामृत से अभिषेक किया गया। इसके बाद दिन में अलग-अलग समय पर विशेष पूजा की गई। मोती डूंगरी गणेश के दर्शन करने दूर-दराज के इलाकों से भक्त पहुंचे। इसमें पदयात्री नंगे पैर भगवान के दर्शन के लिए समूह में आए। गणेश चतुर्थी के मौके पर मोती डूंगरी में भगवान गणेश को सोने का मुकुट धारण करवाया। साथ ही चांदी के सिंहासन पर विराजमान किया गया। मोती डूंगरी में दर्शन के लिए पुरूष, महिला और परिवार के लिए अलग अलग व्यवस्था की गई। यह व्यवस्था एमडी रोड, जेएलएन मार्ग और रिजर्व बैंक तख्तेशाही मार्ग पर की गई। निशक्तजन के लिए विशेष रिक्शे भी लगाए गए। समाचार लिखे जाने तक भगवान गणेश के दर्शनों के लिए जेएलएन मार्ग पर लम्बी कतार लगी हुई थी।

चप्पे चप्पे पर रही पुलिस की नजर

मोती डूंगरी मंदिर में भीड़ को देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था की गई। सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के लिए पुलिस का अतिरिक्त जाब्ता तैनात किया गया। मोती डूंगरी गणेश मंदिर के चारों ओर बैरिकेडिंग की गई। इससे भीड़ को नियत्रिंत किया गया। मंदिर परिसर के आसपास सीसीटीवी कैमरों के जरिए निगरानी रखी गई। वहीं, कंट्रोल रूम के जरिए पुलिस अधिकारियों ने तमाम सुरक्षा व्यवस्था पर निगरानी रखी। गोविंद देवजी मंदिर की तरह मोती डूंगरी में भी AI तकनीक वाले कैमरे लगाए गए। इन कैमरों के जरिए पुलिस अपराधियों का डाटा ऐप पर अपलोड किया। AI तकनीक आधारित कैमरों को चेहरे पहचानकर ऐप से जोड़कर काम में लिया गया। मोती डूंगरी गणेश जी मंदिर में जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में पिछले कई दिनों से अलग-अलग कार्यक्रम किए गए। सोमवार की शाम भगवान गणेश जी महाराज का सिंजारा मनाया गया। इस दिन शाम 6.15 बजे भगवान गणेश जी महाराज के पट खुले। भगवान गणेश के दर्शन करने के लिए भक्तों की देर रात तक लंबी लाइन लगी रही। भगवान गणेश जी महाराज को स्वर्ण मुकुट धारण करवाया गया, जो गणेश चतुर्थी पर ही धारण करवाया जाता है।भगवान गणेश जी का सिंजारा पूजन किया गया। उन्हें मेहंदी धारण करवाई गई। इस दौरान डंके व खिलोने आदि भी भगवान को भेंट किए गए। वहीं, सिंजारे की मेंहदी धारण करवाने के बाद शाम 7.30 बजे भक्तों को 3100 किलो मेंहदी का प्रसाद बांटा गया।

तीन महीने में तैयार हुआ नौलखा हार

इससे पहले भगवान गणेश जी महाराज का विशेष नौलखा हार के भाव जैसा श्रृंगार हुआ। इसमें मोती, सोना, पन्ना, माणक आदि के भाव दर्शाए गए। इसको बनाने में करीब तीन महीने का समय लगा। भगवान को चांदी के सिंहासन पर विराजमान किया गया। भगवान गणेश जी महाराज को विशेष पोशाक धारण करवाई गई।

आज निकलेगी शोभायात्रा

श्री गणेश मन्दिर मोती डूंगरी जयपुर की ओर से बुधवार को शोभायात्रा निकाली जाएगी। यात्रा मोती डूंगरी गणेश मंदिर से रवाना होकर श्री गढ़ गणेश गणपति मंदिर के नीचे वाले चौक तक जाएगी। यह शोभायात्रा मोती डूंगरी रोड, जौहरी बाजार, बड़ी चौपड़, त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड़, गणगौरी बाजार, ब्रह्मपुरी होते हुए गढ़ गणेश मंदिर पहुंचेगी।

राज्यपाल मिश्र ने राष्ट्रपति भवन में की राष्ट्रपति से मुलाकात

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। राज्यपाल मिश्र की उनसे यह शिष्टाचार भेंट थी। मिश्र ने राष्ट्रपति मुर्मू को इस दौरान अपनी हाल ही प्रकाशित पुस्तक "शिक्षा की संस्कृति" और कार्यकाल के चार वर्ष पर प्रकाशित "संविधान संस्कृति की उज्ज्वल राहें" की प्रतियां भेंट की। राष्ट्रपति ने राज्यपाल मिश्र के सृजन सरोकारों की सराहना की।

पारीक कॉलेज में होगा तीन दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार

जयपुर @ जागरूक जनता। जयपुर में बनीपार्क स्थित एस.एस.जी. पारीक पी.जी. कॉलेज में 21 से 23 सितंबर तक सांस्कृतिक मंत्रालय, भारत सरकार, नाद-नर्तन और पारीक कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में संगीत का तीन दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया जा रहा है। महाविद्यालय के सभागार में होने वाले इस सेमिनार में दिल्ली कथक केंद्र की अध्यक्ष और सलाहकार विदुषी उमा डोगरा मुख्य अतिथि होंगी।

भक्ति संकीर्तन के साथ दिव्य 'प्रेम सत्संग भवन' का उद्घाटन

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। पत्रकार कॉलोनी में नवनिर्मित बहुउददेशीय हॉल दिव्य 'प्रेम सत्संग भवन' का उद्घाटन भक्ति संकीर्तन माधुरी की स्वर लहरियों और रिमझिम फुहारों के बीच हुआ। इस मौके पर जस्टिस बीरेन्द्र कुमार समारोह के मुख्य अतिथि रहे। उद्घाटन से पहले सत्संगियों ने राधे-गोविंद लिखे गुब्बारे आसमान में छोड़कर और राधे-राधे गोविंद राधे संकीर्तन की मधुर ध्वनि को गुंजारित कर माहौल को भक्तिमय बना दिया। इसके बाद विश्व के पंचम मूल जगदुरु श्री कृपालु जी महाराज की प्रचारिका श्रीधरी दीदी और जस्टिस बीरेन्द्र कुमार ने रिबन काटकर दिव्य 'प्रेम सत्संग भवन' का उद्घाटन किया। समारोह के संयोजक और राधा गोविंद पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट के सैक्रेटरी शरद गुप्ता ने बताया कि उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि राजस्थान हाईकोर्ट के जस्टिस बीरेंद्र कुमार के साथ ही सम्मानित अतिथि के रूप में ओके प्लस ग्रुप के चेयरमैन ओमप्रकाश मोदी एवं अन्य गणमान्य अतिथि भी शामिल हुए। समारोह के दौरान सत्संगियों ने जगदुरु श्री कृपालु जी महाराज रचित भक्ति पदों व संगीत आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। हॉल के निर्माण के उददेश्य के बारे में जानकारी देते हुए ट्रस्ट के सैक्रेटरी गुप्ता ने बताया कि इस हॉल से श्रीधरी दीदी के निर्देशन में जनकल्याण के लिए सामाजिक व आध्यात्मिक गतिविधियां सम्पन्न की जाएंगी। गौरतलब है कि सुश्री श्रीधरी दीदी सन् 2004 से जयपुर में भगवन्नाम प्रचार की सेवा में संलग्न हैं। श्रीधरी दीदी की अध्यक्षता में राधा गोविंद पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट निरंतर जनकल्याण हेतु प्रयासरत है। इस सत्संग भवन का निर्माण विश्व के पंचम मूल जगदुरु श्री कृपालु जी महाराज की प्रचारिका सुश्री श्रीधरी दीदी की अध्यक्षता में संचालित 'राधा गोविंद पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट, जयपुर' की ओर से जनकल्याण के लिए करवाया गया है।

अब हिसार से चलेगी जयपुर-हैदराबाद ट्रेन

सीकर और झुंझुनूं के यात्रियों को होगा फायदा, 26 सितंबर से नए शेड्यूल से चलेगी

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर से हैदराबाद के लिए चल रही साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन को अब रेलवे ने हिसार तक चलाने का निर्णय किया है। ये ट्रेन 26 सितंबर से जयपुर के बजाय हिसार से बनकर चलेगी। इस दौरान ये रींगस, सीकर, नवलगढ़, झुंझुनूं, चिड़ावा, लोहारू, सादुलपुर और सिवानी स्टेशनों पर भी स्टॉपेज देगी। उत्तर पश्चिम रेलवे से जारी नए शेड्यूल के मुताबिक गाड़ी संख्या 17019 जयपुर-हैदराबाद 26 सितंबर से हर मंगलवार को हिसार से सुबह 7.15 बजे रवाना होगी, जो जयपुर जंक्शन पर दोपहर 3.05 बजे पहुंचेगी। ये ट्रेन यहां 25 मिनट रुकने के बाद दोपहर 3.30 बजे रवाना होगी और गुरुवार को सुबह 7.30 बजे हैदराबाद पहुंचेगी।

रिटर्न में गाड़ी संख्या 17020 हैदराबाद-हिसार ट्रेन 30 सितंबर से हैदराबाद से हर शनिवार को दोपहर 3.10 बजे चलेगी, जो सोमवार को जयपुर स्टेशन पर सुबह 5.25 बजे पहुंचकर यहां से हिसार के लिए सुबह 5.50 बजे चलेगी और दोपहर 1 बजे हिसार पहुंचेगी।

पत्रकार मनोज माथुर के निधन से पत्रकार जगत स्तब्ध

मनोज माथुर पत्रकारिता अवॉर्ड शुरू करेगा भारतीय प्रेस पत्रकार संघ

जयपुर @ जागरूक जनता। पत्रकार जगत आज हंसमुख, मिलनसार वरिष्ठ पत्रकार मनोज माथुर के हार्ट अटैक से निधन की खबर से अंदर तक हिल गया है। भारतीय प्रेस पत्रकार संघ के अध्यक्ष अभय जोशी ने कहा की वरिष्ठ पत्रकार मनोज माथुर के निधन से मीडिया जगत को हुई क्षति को कभी नहीं भरा जा सकता। उन्होंने मनोज माथुर के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए उनके परिवार को ये असीम दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से कामना करते है। ये पत्रकार जगत के लिए बेहद दुख का दिन है। जोशी ने बताया की मनोज माथुर के पत्रकारिता में अभूतपूर्व योगदान एवं उनकी स्मृति को चीर स्थाई रखने के लिए भारतीय प्रेस पत्रकार संघ मनोज माथुर पत्रकारिता अवार्ड की शुरुआत इसी वर्ष से करेगा। अवॉर्ड के तहत एक मीडिया जर्नलिस्ट एवं एक फोटोग्राफर को इस अवॉर्ड से सम्मानित किया जायेगा।

नटखट बाल गोपाल प्रतियोगिता का आयोजन

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। अनबीटेबल ग्रुप तथा बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेजेज के संयुक्त तत्वावधान में नटखट बाल गोपाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें 40 से अधिक बच्चों ने कृष्ण और राधा की वेशभूषा धारण कर सुन्दर नृत्य, गायने और डायलॉग के साथ प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम के आर्गेनाइजर्स अनबीटेबल ग्रुप के विकास सक्सेना रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ संजय बियानी रहे जिन्होंने कृष्ण के गेटअप के साथ उनके गुणों को अपनाने के लिए प्रेरित किया और माता–पिता को कृष्णमयी जीवन अपनाने के लिए कहा। कार्यक्रम के अन्त में बच्चों की कैटेगरी वाइस प्रथम व द्वितीय पुरस्कार प्रदान किए गए। जिसमें 0 से 1 ऐज ग्रुप में नवयंश, 1 से 2 ऐज ग्रुप में प्रत्युश, 2 से 3 ऐज ग्रुप में माही, 3 से 4 ऐज ग्रुप में आरना, 4 से 5 ऐज ग्रुप में अरनव, 5 से 7 ऐज ग्रुप में शुभी और 7 से 9 ऐज ग्रुप में यशवी प्रथम स्थान पर रहें। मंच संचालन शिवा ने किया तथा विकास सक्सेना ने कार्यक्रम कोर्डिनेटर, कॉलेज के वॉलेंटियर्स और अभिभावकों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

ANCHOR उद्घाटन

1100 कॉलोनियों तक जल्दी पहुंचेगा बीसलपुर का पानी

बीसलपुर पृथ्वीराज नगर पेयजल परियोजना फेज-प्रथम का लोकार्पण

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। बीसलपुर पृथ्वीराज नगर पेयजल परियोजना फेज-प्रथम के तहत रंगोली गार्डन क्षेत्र पेयजल वितरण पार्ट का लोकार्पण मंगलवार को जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री डॉ. महेश जोशी ने यहां आयोजित कार्यक्रम में किया। डॉ. जोशी ने कृषि मंत्री एवं झोटवाड़ा विधायक लालचंद कटारिया के साथ पंप हाउस से पानी चलाकर रंगोली गार्डन वितरण क्षेत्र की 53 कॉलोनियों को पेयजल आपूर्ति की शुरूआत भी की। लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री डॉ. महेश जोशी ने कहा कि परियोजना का प्रथम चरण दिसम्बर तक पूरा होने के साथ ही पृथ्वीराज नगर की 1100 कॉलोनियों को बीसलपुर का पानी मिलने लगेगा। 747 करोड़ रूपए की लागत के बीसलपुर पृथ्वीराज नगर पेयजल परियोजना फेज-द्वितीय में भी पृथ्वीराज नगर एवं आसपास की करीब 2200 कॉलोनियों में बीसलपुर पानी पहुंचेगा।

परियोजना के फेज-प्रथम में तहत 563.93 करोड़ रूपए की लागत से बालावाला से लोहामंडी तक 44 किलोमीटर लम्बी टांसमिशन मेन लाइन, 51 किलोमीटर की राइजिंग मेन लाइन, करीब 970 किलोमीटर की डिस्ट्रीब्यूशन मेन लाइन और साथ ही, 9 स्वच्छ जलाशय मय पंप हाउस तथा 19 उच्च जलाशय के कार्य शामिल हैं।

डॉ. जोशी ने कहा कि पृथ्वीराज नगर में पेयजल आपूर्ति के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा घोषित योजनाओं को जलदाय विभाग द्वारा सरकार के इसी कार्यकाल में पूरा किया जाना एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि बीसलपुर का पानी आने से पृथ्वीराज नगर के लोगों की टैंकरों पर निर्भरता कम हो जाएगी और साथ ही यहां भूजल स्तर में भी सुधार होगा। उन्होंने इसका श्रेय कृषि मंत्री लालचंद कटारिया के क्षेत्र की जनता की भलाई के लिए समर्पण को दिया। उन्होंने कहा कृषि मंत्री ने उनके क्षेत्र में 365 करोड़ रूपए की नई पेयजल योजनाओं की सूची दी है जिस पर संबंधित मुख्य अभियंता को आवश्यक दिशा- निर्देश दे दिए गए हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कृषि एवं पशुपालन मंत्री लालचंद कटारिया ने पृथ्वीराज नगर की जनता को बीसलपुर का पानी का वादा पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वर्षों से लंबित इस मांग को पूरा करते हुए मुख्यमंत्री ने पेयजल योजना की स्वीकृति दी एवं जलदाय विभाग ने पूर्ण सहयोग करते हुए आखिर पृथ्वीराज नगर के लोगों तक बीसलपुर का पानी पहुंचा दिया।

MBBS Admission Open- 2023-24
Almaty,Kazakhstan

CASPIAN INTERNATIONAL SCHOOL OF MEDICINE
Kazakhstan
KAZAKH RUSSIAN MEDICAL UNIVERSITY
Kazakhstan
Contact US
Khevanshi
MBBS Council
Office : 311, 3rd Floor, Center Tower, Central Spine , Vidhyadhar Nagar, Jaipur(Raj.)
Website : www.khevanshimbbs.com e-Mail : enquiry@khevanshimbbs.com
Call +91 805-888-1-888

जागरूक खबरें

राज्य कला पुरस्कारों की घोषणा

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान ललित कला अकादमी की 64वीं वार्षिक कला प्रदर्शनी के निर्णायक मण्डल ने राज्य के 10 कलाकारों की कलाकृतियों को पुरस्कार योग्य घोषित किया है। अकादमी सचिव डॉ. रजनीश हर्ष ने बताया कि डॉ. अमिता राज गोयल (रिक्रियेटिंग नेचर-2), दिशांक शर्मा (स्मृति), महेश कुमार कुमावत (सनातन) शिखा (देयर ईज समथिंग), सोम्य यादव (साईनम ऑफ सैल्फ), नकुल गोदारा (शेडो), अमर प्रजापत (जयपुर अरावली- 1), प्रभु लाल गमेती (अनटाईडल्ड-2), उदित अग्निहोत्री (किंगडम), दीपिका रावजानी (लाईफ एण्ड डेथ) को उनकी कलाकृतियों के लिए पुरस्कृत किया गया। प्रदर्शनी के लिए राज्य भर से 169 कलाकारों की 505 चित्र एवं मूर्तिशिल्प प्राप्त हुई थीं जिसमें निर्णायक मण्डल ने प्रदर्शनी के लिये 64 कलाकारों की 78 कलाकृतियों का चयन किया। इनमें पुरस्कृत कलाकृतियां भी सम्मिलित है। प्रदर्शनी के उद्घाटन अवसर पर पुरस्कृत 10 कलाकारों को पच्चीस-पच्चीस हजार रूपये के नकद पुरस्कार, प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किये जायेंगे।

22 को बंद रहेगा खाटूश्याम मंदिर, शाम 5 बजे होंगे खुलेंगे पट

जयपुर/सीकर @ जागरूक जनता। प्रसिद्ध खाटूश्याम मंदिर 22 सितंबर को शाम 5 बजे भक्तों के दर्शनों के लिए खोला जाएगा। मंदिर में बाबा श्याम का तिलक होने के चलते 21 सितंबर की रात 10:30 बजे से मंदिर को बंद कर दिया जाएगा। मंदिर कमेटी ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। मंदिर कमेटी के अध्यक्ष प्रताप सिंह चौहान ने बताया कि 22 सितंबर को बाबा श्याम की विशेष सेवा-पूजा और तिलक किया जाएगा। ऐसे में मंदिर को 21 सितंबर की रात 10:30 बजे से दर्शनों के लिए बंद कर दिया जाएगा। इसके बाद अगले दिन 22 सितंबर को शाम 5 बजे दर्शन शुरू होंगे। गौरतलब है कि अमावस्या के बाद और विशेष पर्वों पर बाबा खाटूश्याम की विशेष सेवा-पूजा और तिलक किया जाता है। आपको बता दे कि हर साल मंदिर में 80 लाख से ज्यादा श्रद्धालु दर्शन करने के लिए आते हैं।

111 पेड़ पौधे लगाकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

जोधपुर @ जागरूक जनता। पेड़ हमारे जीवन का आधार हैं। जब तक हरे-भरे वृक्ष हैं, तब तक हमारी सांसें सुरक्षित हैं। इसी संदेश के साथ माली समाज की महिलाओं जेम्स ग्रुप द्वारा सरकारी विद्यालय भाटियानाडी मंडोर जोधपुर में छायादार कोनाकार ,पीपल, बरगद , नीम, कनेर ,बेलपत्र, गुलमोहर इत्यादि 111 वृक्ष लगाए। ग्रुप संचालिका ऋषिका गहलोत ने बताया कि हम कम से कम एक पौधा लगा सकते हैं इसी उद्देश्य से माली समाज की सभी महिलाओं को घर से एक पेड़ लगाने के लिए बोला। सभी पर्यावरण प्रेमी महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया सभी ने एक पौधे की बजाय ज्यादा से ज्यादा पौधे लेकर आए कुल 111 पेड़ लगाए गए। और अभियान में पेड़ पौधों को लगाना, उनकी देखभाल करने का संकल्प दिलाया। और कहा की हमें अपने परिजनों और परिचितों को उपहार स्वरूप पौधे देने की परंपरा शुरू करनी चाहिए। अगर हर व्यक्ति प्रतिवर्ष एक पौधा भी रोपने और उसके रखरखाव का संकल्प ले, तो यह धरती फिर से हरियाली की चादर ओढ़ लेगी।

जो पार्टी के लिए काम करेगा, उस पर दांव खेलने के लिए हम तैयार- रंधावा

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। इसी साल के अंत में राजस्थान में विधानसभा चुनाव होने हैं। सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी जहां अपनी सरकार फिर से रिपीट करने करने पर काम कर रही है, तो वहीं मुख्य विपक्षी पार्टी भाजपा कांग्रेस को सत्ता से बेदखल फिर से सत्ता में लौटने के लिए एड़ी जोड़ी का जोर लगा रही है।इसी साल के अंत में राजस्थान में विधानसभा चुनाव होने हैं। सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी जहां अपनी सरकार फिर से रिपीट करने करने पर काम कर रही है, तो वहीं मुख्य विपक्षी पार्टी भाजपा कांग्रेस को सत्ता से बेदखल फिर से सत्ता में लौटने के लिए एड़ी जोड़ी का जोर लगा रही है। दोनों पार्टियां प्रत्याशियों के चयन के लिए माथापच्ची कर रही हैं। इसी क्रम में प्रत्याशी चयन को लेकर चल रहे सर्वे पर कांग्रेस प्रभारी

सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा, जिस नेता के दिमाग में यह चल रहा है कि अगर कांग्रेस का टिकट नहीं मिला तो दूसरी पार्टी में चला जाऊंगा, ऐसे नेताओं का भी हम सर्वे करवा रहे हैं।

किसी को गलतफहमी नहीं रहनी चाहिए। अगर कोई नेता कहता है कि मेरा नाम सर्वे में नहीं है तो उसमें दिमाग नहीं है, क्योंकि अगर सर्वे होता है तो कोई बताता नहीं है कि सर्वे हो रहा है। एक बात स्पष्ट करना चाहता हूं जो जिताऊ होगा उसे ही टिकट दिया जाएगा, चाहे वो हमारे संपर्क में है या नहीं। जो जमीन पर पार्टी के लिए काम करेगा, कांग्रेस की बात करेगा और दिल से कांग्रेसी है ऐसे लोगों पर हम दाव खेलेंगे।

महिला आरक्षण राजीव गांधी की सोच- रंधावा

मंगलवार को संसद के विशेष सत्र के दूसरे दिन महिला आरक्षण बिल पेश किया गया। इसे लेकर पूछे गए सवाल पर राजस्थान कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर रंधावा ने कहा, महिला आरक्षण राजीव गांधी की सोच थी। कांग्रेस ने हमेशा इसका समर्थन किया है। पंचायत राज में पहले ही कांग्रेस ने आरक्षण दे दिया था। महिलाएं आगे बढ़ेगी तो यह देश के लिए अच्छा होगा। महिला प्रधानमंत्री बनकर इंदिरा गांधी ने ऐतिहासिक काम किए थे। 1971 में हुए युद्ध में पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिए थे। महिलाओं को हमें कमजोर नहीं समझना चाहिए। महिलाएं घर भी चलाती हैं और राजनीति के साथ-साथ दूसरे क्षेत्रों में भी कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं।

गठबंधन पर कर रहे हैं विचार

गठबंधन को लेकर रंधावा ने कहा, इंडिया गठबंधन में शामिल दलों से स्टेट वाइज गठबंधन पर विचार कर रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने भी सीडब्ल्यूसी की बैठक में कहा है कि स्टेट लीडरशिप की सलाह से गठबंधन करेंगे। 23 सितंबर को राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष खरगे जयपुर आएंगे। कांग्रेस के नए भवन का शिलान्यास करेंगे, साथ ही 60 हज़ार से ज्यादा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। निर्दलीय विधायकों को टिकट देने को लेकर अंधवा ने कहा, अगर निर्दलीय विधायक सर्वे में जिताऊ चेहरे के तौर पर सामने आते हैं तो उन्हें प्रत्याशी बनाया जा सकता है।

प्रत्याशियों की बढ़ी हुई चुनाव व्यय सीमा...

40 लाख रूपये के साथ प्रदेश में विस चुनाव कराया जायेगा-गुप्ता

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। विधानसभा चुनावों में उम्मीदवारों के खर्च की सीमा 28 लाख रूपये से बढ़ाकर अब 40 लाख रूपये कर दी गई है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि 2018 में राजस्थान में विधानसभा चुनाव के लिए प्रत्येक उम्मीदवार की चुनावी खर्च की सीमा 28 लाख रूपये थी। कोविड महामारी के समय वर्ष 2020 में इसे बढ़ाकर 30 लाख 18 हजार रूपये कर दिया गया। 2022 में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा यह सीमा बढ़ाकर 40 लाख रूपये कर दी गयी है।

गुप्ता ने बताया कि उम्मीदवार को निर्वाचन व्यय का सार विवरण जिला निर्वाचन अधिकारी को जमा कराना अनवार्य होता है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा उम्मीदवार के चुनाव व्यय में कुछ मद अनुमत किये गये हैं एवं कुछ अनुमत नहीं किये गये हैं।

जनसभाएं, रैली-जुलूस, बैनर व अन्य प्रचार सामग्री पर व्यय अनुमत किया गया है। साथ ही केबल नेटवर्क, बल्क एसएमएस, सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार-प्रसार और प्रिन्ट तथा इलेक्ट्रोनिक मीडिया के विज्ञापनों पर व्यय भी अनुमत है। वर्चुअल प्रचार अभियान पर होने वाले व्यय का भी ब्यौरा प्रत्याशी द्वारा दिया जाता है। अभ्यर्थियों द्वारा प्रयुक्त वाहनों पर होने वाले व्यय के साथ सभाओं और रैलियों में उपयोग की जा रही सामग्री, साउंड सिस्टम आदि के खर्च का भी ब्यौरा दिया जाता है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी गुप्ता ने बताया कि राजनैतिक दलों एवं प्रत्याशियों द्वारा चुनावी खर्च हेतु विभिन्न वस्तुओं एवं सेवाओं की दरों का निर्धारण जिला स्तर पर जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में किया जाता है।

गुप्ता ने बताया कि निर्धारित सीमा से अधिक चुनावी व्यय अनुमत नहीं किया जाता है एवं जिला स्तर पर एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय स्तर पर सभी प्रत्याशियों द्वारा किये जा रहे व्यय की पड़ताल निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार की जाती है। लोकतंत्र में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया सुनिश्चित करने की दिशा में चुनाव व्यय पर नियंत्रण महत्वपूर्ण कदम है।

एनटीए ने किया नीट, जेईई मेन और सीयूईटी का परीक्षा कैलेंडर जारी

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने शैक्षणिक वर्ष 2024 के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई), राष्ट्रीय पात्रता प्रवेश परीक्षा (NEET), कॉमन यूनिवर्सिटी प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) और यूजीसी नेट के लिए परीक्षा कैलेंडर जारी कर दिया है। परीक्षा कैलेंडर एनटीए (NTA) की ऑफिशियल वेबसाइट nta.ac.in पर जारी किया गया है।

एनटीए के परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार, जेईई मेन 2024 परीक्षा दो सत्रों में आयोजित की जाएगी - जनवरी और अप्रैल, एनईईटी मई में, सीयूईटी यूजी मई में और यूजीसी नेट जून में आयोजित की जाएगी। एनटीए ने नोटिफिकेशन में आगे कहा है, जेईई मेन के परिणाम परीक्षा आयोजित होने के तीन सप्ताह के भीतर घोषित किए जाएंगे। मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट के नतीजे जून के दूसरे सप्ताह में घोषित किए जाएंगे।

NTA एग्जाम शेड्यूल 2024

- जेईई मेन 2024 सत्र 1 - 24 जनवरी से 1 फरवरी 2024 के बीच
- जेईई मेन 2024 सत्र 2 - 1 अप्रैल, 2024 से 15 अप्रैल, 2024 के बीच
- नीट यूजी 2024 (ह्धश्धङ्ग त्न 2004)- 5 मई, 2024
- सीयूईटी यूजी 2024 - 15 मई, 2024 से 31 मई, 2024 के बीच
- सीयूईटी पीजी 2024 - 11 मार्च 2024 से 28 मार्च 2024 के बीच
- **यूजीसी-नेट सत्र** I - 10 जून से 21 जून 2024 के बीच।

सभी ऑनलाइन परीक्षाओं (सीबीटी) के परिणाम परीक्षा समाप्त होने के तीन सप्ताह के भीतर जारी किए जाएंगे। विशेष रूप से, NEET (UG) 2024 के परिणाम जून 2024 के दूसरे सप्ताह में जारी हो सकते हैं।

अजा विद्यार्थियों के लिए 16 छात्रावासों का होगा निर्माण

जयपुर @ जागरूक जनता। राज्य सरकार विभिन्न जिलों में अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए 16 छात्रावासों का निर्माण कराएगी। इसके लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 16 करोड़ रूपए के वित्तीय प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है।गहलोत की इस स्वीकृति से ब्यावर, गंगापुर सिटी, प्रतापगढ़ और झालावाड़ के भवानीमंडी में अनुसूचित जाति बालिका छात्रावास, दौसा के बहरावण्डा, अलवर के मालाखेड़ा, श्रीगंगानगर के सूरतगढ़, ब्यावर के रायपुर, उदयपुर के कानौड़, कुचामन सिटी में सावित्रीबाई फुले अनुसूचित जाति बालिका छात्रावासों का निर्माण होगा। साथ ही, पचपदरा के कल्याणपुर और श्रीगंगानगर में अनुसूचित जाति बालक छात्रावास, जैसलमेर के फलसुण्ड, टोंक के उनियारा, चूरू के जैतासर और जोधपुर ग्रामीण के औसियां में अम्बेडकर अनुसूचित जाति बालक छात्रावासों का निर्माण कराया जाएगा। प्रत्येक छात्रावास भवन के निर्माण में 1 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इससे अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए बेहतर वातावरण मिलेगा। वे अपने उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर सकेंगे।

बांसवाड़ा में बनेंगे 3 एनिकट, भीलवाड़ा व टोंक में होंगे मरम्मत कार्य

जयपुर @ जागरूक जनता। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बांसवाड़ा जिले में एनिकट निर्माण के तीन प्रस्तावों को मंजूरी दी है। इससे जिले की अरथुना तहसील में गोरवपाड़ा (गोविंदपुरा) एनिकट, गढ़ी तहसील में चाप नदी पर खेड़ा एनिकट और सज्जनगढ़ तहसील में हिरण नदी के पास सेवनिया एनिकट का निर्माण होगा। गहलोत ने निर्माण कार्यों के लिए 22.75 करोड़ रुपए की वित्तीय स्वीकृति भी दी है। इससे क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार होगा। एनिकट से नदी के व्यर्थ बहने वाले पानी को रोककर कृषि कार्यों के लिए इस्तेमाल किया जा सकेगा।

भीलवाड़ा और टोंक में भी होंगे कार्य- मुख्यमंत्री ने टोंक के बीसलपुर प्रोजेक्ट और भीलवाड़ा के बनेड़ा स्थित मेजा डेम की मुख्य नहर पर भी मरम्मत के कार्य कराने की स्वीकृति दी है।

गहलोत को मानहानि केस में राहत नहीं

कोर्ट ने खारिज की आरोप मुक्त करने की अर्जी, अब 25 को सुनवाई

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की ओर से दायर किए गए मानहानि के केस में सीएम अशोक गहलोत को राहत नहीं मिली है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने मंगलवार को गहलोत के प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने आरोप मुक्त करने की अपील की थी।

सीएम अशोक गहलोत ने कोर्ट में प्रार्थना पत्र लगाकर कहा था कि पिछली 3 सुनवाई से शिकायतकर्ता कोर्ट में उपस्थित नहीं हो रहा है, ऐसे में कानून के तहत कोर्ट आरोप मुक्त करें। गहलोत के प्रार्थना पत्र पर 14 सितंबर को कोर्ट ने दोनों पक्षों की बहस के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। मंगलवार को कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए गहलोत के प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया। ऐसे में अब गहलोत पर आगे भी मानहानि का यह मुकदमा चलता रहेगा। अब 25 सितंबर को मामले की अगली

गहलोत ने दी मंजूरी- डीग के 13 विद्यालयों में पढ़ाया जाएगा उर्दू साहित्य - स्कूल व्याख्याता के 13 पदों का होगा सृजन

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। अब डीग जिले के 13 राजकीय विद्यालयों में विद्यार्थी उर्दू साहित्य विषय में भी पढ़ाई कर सकेंगे। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विद्यालयों में ऐच्छिक विषय के रूप में उर्दू साहित्य प्रारम्भ किए जाने के प्रस्ताव मंजूरी दी है।

गहलोत की स्वीकृति से प्रत्येक विद्यालय के लिए स्कूल व्याख्याता का एक-एक पद (कुल 13 पद) सृजित किए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री द्वारा बजट वर्ष 2023-24 में इस संबंध में घोषणा की गई थी।

इन विद्यालयों में शुरू होगा उर्दू साहित्य विषय

- महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, भंडारा, कामां
- महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, ओलंदा, कामां
- रा.उ.मा.वि. उदाका, कामां
- रा.उ.मा.वि. ऊंचेडा, कामां
- रा.उ.मा.वि. कामां
- महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, नौगांवा, कामां
- बाबूनाथ स्वामी रा.उ.मा.वि., जुरहरा, कामां
- महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, लेवडा, कामां
- रा.उ.मा.वि., जोतरूहला
- रा.उ.मा.वि., कथोल पहाड़ी
- रा.उ.मा.वि., पापडा पहाड़ी
- रा.उ.मा.वि., सोमका पहाड़ी
- रा.उ.मा.वि., भौंरी पहाड़ी।

ANCHOR | ह्यस्त्रद्धह्यस्त्र

खेलों से भाईचारे एवं पारस्परिक एकता को बढावा मिलता है-जूली

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने किया खेल प्रतियोगिता का उद्घाटन

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री टीकाराम जूली ने कहा कि खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन से ना केवल खिलाडियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है बल्कि खेलों के आयोजन से आपसी भाईचारे एवं पारस्परिक एकता को बढावा मिलता है।

जूली ने मंगलवार को अलवर जिले के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रेलवे स्टेशन में 67वीं राज्य स्तरीय माध्यमिक/उच्च माध्यमिक विद्यालय पांच दिवसीय छात्रा हॉकी खेलकूद प्रतियोगिता 2023-24 एवं अलवर ग्रामीण क्षेत्र के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय महुआ खुर्द में 67वीं जिला स्तरीय नेटबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। उन्होंने खिलाडियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल हमारे जीवन को शारीरिक ही नहीं वरन मानसिक मजबूती प्रदान करते हैं। राज्य सरकार द्वारा फिट राजस्थान हिट राजस्थान के सपने को साकार करते हुए प्रदेश में राजीव गांधी ग्रामीण एवं शहरी ओलम्पिक खेलों का आयोजन करवाया जिसमें बडी संख्या में हर आयु वर्ग के व्यक्ति ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर इस महाकुंभ को सफल बनाया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा खिलाडियों को सरकारी नौकरी प्रदान करने के साथ-साथ उनकी सुविधाओं में विस्तार करने का कार्य कर रही है। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। इसके पश्चात श्री जूली ने नॉन पेचेबल/मिसिंग लिंक कार्य ईटाराणा पुलिया से सामोला चौराहा तक सीसी सड़क निर्माण कार्य का लोकार्पण किया। इस अवसर पर जिला बीसूका उपाध्यक्ष योगेश मिश्रा, संबंधित अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

JETHI TECH SOLUTIONS
Follow Us: @jethitech
ADDING WINGS TO YOUR BUSINESS

BULK SMS - Lowest Price
Buy 1 Lakh SMS @ Rs.12000/-
With FREE Control Panel
@ 12 Paisa Per SMS
LIFETIME VALIDITY

WEDDING INVITATION
1 Invitation Video for Whatsapp
10,000 Bulk SMS
1 Social HashTag Creation
1 Whatsapp Direct Chat Link
1 Landing Page
Send Digital Invitations At One Click

START-UP PACKAGE
Dynamic Website
+ Domain & Hosting(1 Year)
+ Social Media Profile Creation
+ Social Media Management* (1 Year)
+ 3 WhatsApp Stickers
+ WhatsApp Chat Direct Link
+ Local Business Listing
+ Logo Design
All For Just Rs.35,000/- + GST

Digial Branding/Marketing
★ Youtube Marketing ★ Website Development
★ Digital Marketing ★ Android Development
★ Whatsapp Marketing ★ Software Development
★ Bulk SMS Marketing ★ Social Media Management

MSGJET
SchoolMaster SCHOOL Management System

Corporate Branding/Identity
★ Visiting Cards ★ ID Cards ★ Letterhead ★ Calendars ★ Pen Stand ★ Mugs
★ Pamphlets ★ Banners ★ Envelope ★ Diary ★ Paper Weights ★ T-Shirts
★ Bill Book ★ Brochure ★ Signages ★ Bags ★ Pen ★ Many More...

Financial Services: Business Loan, Home Loan, CC Limit, Mortgage Loan

WE ARE Google Partner | AdWords Analytics | Marketing Partner | Accredited Professional Bing ads

DIGITAL MARKETING | CORPORATE BRANDING | PRINT MEDIA
WEBSITE DESIGN/DEVELOPMENT | SOFTWARE DEVELOPMENT
ANDROID/iOS APPS | BULK SMS | CRM/ERP SOFTWARE

INIDIA: 1C, Rajputana Marg, Kalyanpuri, Jhotwara, Jaipur-12
USA: 11923 NE Summer St. Portland, Oregon, 97220, USA
+91-7976625313, +1(503) 8788224 || www.jethitech.com || sales@jethitech.com

सम्पादकीय

जन्म प्रमाण पत्र को एकल दस्तावेज के रूप में मान्यता

नागरिकों की पहचान का प्रामाणिक दस्तावेज किसे माना जाए, यह लंबे समय से विचार का विषय रहा है। इसी क्रम में अलग-अलग दस्तावेजों को वैधानिक मान्यता दी गई। मगर उसमें उलझन फिर भी यह बनी रही कि अपनी पहचान साबित करने के लिए लोगों को एक साथ कई दस्तावेज प्रस्तुत करने पड़ते थे। ऐसे में तय हुआ कि क्यों न कोई ऐसा दस्तावेज लागू किया जाए, जो अंतिम रूप से व्यक्ति की पहचान प्रमाणित करता हो। इसी सोच के साथ आधार पहचानपत्र शुरू किया गया, मगर वह विवादों में घिर गया और उसे व्यक्ति के पहचान का प्रमाणपत्र नहीं माना जा सका। अब सरकार ने जन्म और मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) अधिनियम के जरिए जन्म प्रमाणपत्र को एकल दस्तावेज के रूप में मान्यता प्रदान कर दी है। इस तरह लोग विभिन्न आवेदनों के साथ अलग-अलग दस्तावेज लगाने के बजाय केवल जन्म प्रमाणपत्र नत्थी कर सकेंगे। निश्चित रूप से यह बड़ी राहत की बात है। अभी तक बच्चों का दाखिला कराने, विवाह पंजीकरण, मोटर वाहन चलाने के लिए लाइसेंस लेने, पासपोर्ट आदि बनवाने के लिए अलग-अलग दस्तावेज लगाने पड़ते थे। मसलन, जन्मतिथि प्रमाणित करने के लिए अलग दस्तावेज, घर का पता प्रमाणित करने के लिए अलग दस्तावेज लगाना पड़ता था। इन सबके साथ आधार पहचानपत्र भी नत्थी करना जरूरी था। नया नियम अगले महीने से लागू होगा। हालांकि पहले भी जन्म प्रमाणपत्र को प्रमुख दस्तावेज माना जाता था, क्योंकि इसमें व्यक्ति की पहचान से जुड़ी सभी बुनियादी जानकारियां उपलब्ध होती हैं। उसमें जन्मतिथि, जन्म स्थान और माता-पिता की पहचान दर्ज होती है। मगर उसमें दिक्कत यह आती थी कि ग्रामीण परिवेश में रहने वाले लोगों के पास जन्म प्रमाणपत्र की सुविधा नहीं थी। शहरों में तो नगरपालिकाएं यह प्रमाणपत्र बना देती हैं, मगर गांवों में अब भी जन्म-मृत्यु संबंधी विवरण दर्ज करने के लिए कुटुंब रजिस्टर की व्यवस्था चली आ रही है। वह कितना अद्यतन होता है, दावा नहीं किया जा सकता। अगर किसी व्यक्ति को जन्म प्रमाणपत्र की जरूरत होती है, तो ग्राम प्रधान या सरपंच एक कागज पर लिख कर दे देता है। इस तरह गावों में बहुत सारे लोग कुटुंब रजिस्टर में अपने बच्चों के पैदा होने की जानकारी दर्ज कराने की जरूरत ही नहीं समझते। फिर जिन लोगों के नाम उसमें दर्ज होते भी हैं, वे जन्म प्रमाणपत्र को जरूरी दस्तावेज के रूप में संभाल कर नहीं रखते। हालांकि अब डिजिटल रूप में भी जन्म प्रमाणपत्र उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है, मगर गांवों में चली आ रही व्यवस्था कितनी बदल पाएगी, कहना मुश्किल है।जन्म प्रमाणपत्र को एकल प्रमाणपत्र की मान्यता मिलने से निश्चित रूप से बहुत सारे लोगों के लिए सुविधा हो जाएगी। मगर आधार पहचानपत्र को जिस तरह हर योजना और हर पंजीकरण में अनिवार्य कर दिया गया है और उससे लोगों के व्यक्तिगत विवरणों के चोरी हो जाने का खतरा बताया जाता रहता है, उससे मुक्ति मिलना संभव नहीं लगता। नागरिकता प्रमाणपत्र एक ऐसे दस्तावेज के रूप में होना चाहिए, जो हर नागरिक को सहज सुलभ हो और जिसकी वजह से उसकी व्यक्तिगत गोपनीयता में सेंध लगने का खतरा न हो। जन्म प्रमाणपत्र इस मामले में सुरक्षित दस्तावेज माना जा सकता है, मगर बहुत सारे दूरदराज गांवों में रहने वाले और अशिक्षित लोगों के पास यह मौजूद नहीं है। उसके लिए विशेष व्यवस्था करनी होगी। ग्राम पंचायतों को भी नगरपालिकाओं की तरह डिजिटल सुविधाओं से जोड़ कर इस समस्या से पार पाया जा सकता है।

उपराष्ट्रपति ने यह तो कहा कि पत्रकार प्रेस की स्वतंत्रता के अंतिम प्रहरी हैं, पर साथ ही यह भी कहा कि चिंता का विषय है, चिंतन का विषय है, मंथन का विषय है और परेशानी का विषय है कि प्रहरी कुंभकरण मुद्रा और निद्रा में है।

मांझी जो नाव डुबोए उसे कौन बचाए!

श्याम माथुर
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जिनका काम सबको आईना दिखाने का है, हम ऐसे हालात में पहुंच गए हैं कि हमें उनको आइना दिखाना पड़ रहा है। आईने के बारे में एक गजल में कहा गया है- जड़ दो चांदी में चाहे सोने में, आईना झूठ बोलता ही नहीं।

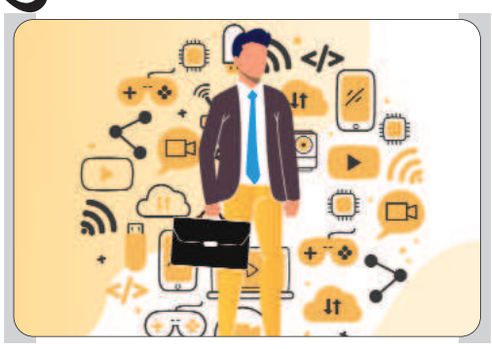

मझदार में नैया डोले तो मांझी पार लगाए, मांझी जो नाव डुबोए उसे कौन बचाए! कोई दुश्मन ठेस लगाए ताह मीत जिया बहलाए, मनमीत जो घाव लगाए, उसे कौन मिटाए! लोकप्रिय गीतकार आनंद बक्षी ने किसी दौर में यह गीत लिखा था। गीत क्या था, बल्कि हमारी और आपकी जिंदगी का फलसफा था। अचानक इस पुराने गीत की याद इसलिए आ गई, क्योंकि पिछले हफ्ते ही देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मीडिया को नसीहत देते हुए लगभग इस गीत जैसी बातें ही कहीं। मौका था माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के चौथे दीक्षांत समारोह का और इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने जो कुछ कहा उसका सार यह था कि जिस मीडिया के कंधों पर बहुत बड़ी जिम्मेदारी है, वह मीडिया पूरी तरह नींद में डूबा हुआ है।

उन्होंने यह तो कहा कि पत्रकार प्रेस की स्वतंत्रता के अंतिम प्रहरी हैं। उनका बहुत बड़ा दायित्व है, उनके कंधों पर बहुत बड़ा भार है। पर साथ ही यह भी कहा कि चिंता का विषय है, चिंतन का विषय है, मंथन का विषय है और परेशानी का विषय है कि प्रहरी कुंभकरण मुद्रा और निद्रा में है। भारत जैसे विशाल देश में, ऐसे देश में जिसकी हजारों वर्ष की संस्कृति है, उसमे कुंभकरण मुद्रा और निद्रा में होना इनके लिए ठीक नहीं है। देश के लिए भी अच्छा संदेश नहीं जाता।

देश के मीडिया को नसीहत देते हुए उन्होंने कहा, ''सभी जानते हैं पत्रकारिता व्यवसाय नहीं है, समाज सेवा है। पर बड़े अफसोस के साथ कह रहा हूं बहुत से लोग यह भूल गए हैं। पत्रकारिता एक अच्छा व्यवसाय बन गया है, शक्ति का केंद्र बन गया है, सही मानदंडों से हट गया है, भटक गया है। इस पर सबको सोचने की आवश्यकता है। पत्रकार का काम क्या है? निश्चित रूप से किसी राजनीतिक दल का हितकारी होना तो नहीं है, पत्रकार का यह काम तो कभी नहीं हो सकता कि वह ऐसा काम करें कि एजेंडा सेट हो, किसी खास दिशा में उसका झुकाव हो, यह तो नहीं होना चाहिए। मैं खुलकर बात इसलिए कर रहा हूं कि एशिया और देश में, इस संस्थान का बड़ा नाम है। जिस व्यक्ति (माखनलाल चतुर्वेदी) के नाम पर है, उनकी रीढ़ की हड्डी बहुत मजबूत थी। इसीलिए मैं भी हिम्मत कर रहा हूं, ऐसी बातें दिल से कहूं आपके समक्ष। प्रेस की स्वतंत्रता तभी हो सकती है, जब प्रेस जिम्मेवार हो, सकारात्मक समाचारों को महत्व देने की जरूरत है।''

पत्रकारिता की वर्तमान दशा और दिशा गहन चिंता और चिंतन का विषय है। हालात विस्फोटक है, अविलंब निदान होना चाहिए। प्रजातांत्रिक व्यवस्था का आप चौथा स्तंभ है। सबसे कारगर साबित हो सकते हैं, कार्यपालिका हो, विधायिका हो, न्यायपालिका हो, सबको आप अपनी ताकत से सजग कर सकते हैं, कटघरे में रख सकते हैं। लेकिन आज मीडिया अपने कारोबारी हितों को सर्वोपरि रखता है, यह ठीक नहीं है, जब आप जनता के वॉचडॉग हैं, तो किसी व्यक्ति का हित आप नहीं कर सकते, आप सत्ता का केंद्र नहीं बन सकते। सेवा भाव से कम करना होगा। और आवश्यकता इसमें क्या है? सच्चाई, सटीकता और निष्पक्षता इनके बिना कुछ होगा नहीं। जिनका काम सबको आईना दिखाने का है, हम ऐसे हालात में पहुंच गए हैं कि हमें उनको आइना दिखाना पड़ रहा है, यह चिंता का विषय है और आईने के बारे में एक गजल में कहा गया है- जड़ दो चांदी में चाहे सोने में, आईना झूठ बोलता ही नहीं। दरअसल मीडिया का एक वर्ग ऐसा है, जो हर मामले को राजनीतिक चश्मे से देखता है। किसी मुद्दे पर सहमति हो या ना हो विचार विमर्श आवश्यक है। आपका मत आपका विवेक है, आप सहमत हो सकते हैं आप असहमत हो सकते हैं, पत्रकारिता कहां है? जैसा कि उपराष्ट्रपति ने भी कहा कि राज्यसभा के सभापति की हैसियत से वे लगातार इस ओर प्रयास कर रहे हैं कि वहां क्या होना चाहिए। जहां संवाद होना चाहिए, वहां विवाद हो रहे हैं। पर मीडिया में इसका कोई असर नजर नहीं आता है, जबकि यह जन आंदोलन बनना चाहिए। आपके जन प्रतिनिधि कैसे ऐसा आचरण कर सकते हैं कि उसे उत्तरदायित्व का निर्वाहन नहीं कर रहे जो संविधान ने उनको दिया है, जो मौका लोगों ने उन्हें दिया है। मीडिया सजग है तो देश चौकस रहेगा। मीडिया ठान ले तो देश में सड़क पर अनुशासन सर्वोपरि होगा। मीडिया उन लोगों को रास्ता दिखा सकता है, जिन्हें रोशनी की आवश्यकता है।

दुनिया में है कई चैनल हैं जिन पर डिबेट होती है, डिस्कशन होता है मन करता है सुनते ही जाएं। अपने यहां पर हालात यह हो गए हैं कि अब बहुत सारे लोग न्यूज चैनल देखना ही पसंद नहीं करते। अखबारों से भी लोग बचते हैं। कितनी अनैतिक भाषा का उपयोग किया जाता है और क्या-क्या छाप देते हैं। एक चैनल कहता है यह खबर सबसे पहले हमारे चैनल पर! दूसरा और तीसरा चैनल भी यही कहता है। झूठ बोलने की भी कोई हद है कि नहीं। दर्शकों के विवेक पर तो जैसे कोई भरोसा ही नहीं है।

भ्रष्टाचार को समाप्त करने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका मीडिया की है। आज एक वातावरण देश में हो गया। कानून से ऊपर कोई नहीं है, कानून का शिकंजा आप तक पहुंचेगा, कानून आपके घर दस्तक देगा आप कितने ही बड़े व्यक्ति हो, आप कितना ही बड़ा खानदान हो कितनी ही बड़ी आपकी आर्थिक ताकत हो सामाजिक ताकत हो राजनीतिक ताकत हो वह दस्तक तो आएगी, वह शिकंजा तो पहुंचेगा। और हमारे देश में सुदृढ़ न्याय व्यवस्था है। मैं पत्रकार बंधुओ से कहता हूं कि जब कोई संस्था किसी को नोटिस देती है कि आदमी तो किधर जाना चाहिए, न्यायालय की ओर पर वह सड़क पर क्यों आते हैं और सड़क पर आते हैं, अव्यवस्था फैलाते हैं। हम क्यों बर्दाश्त करते हैं? करप्शन को न्यूट्रलाइज करने में पत्रकारों की बहुत बड़ी भूमिका है, पर जब नीचे की ओर देखते हैं तो कुछ सालों पहले चर्चित टेप आई थी, उन टेंपो में क्या नहीं दिखाया गया था। क्या-क्या गतिविधियां नहीं दिखाई गई थी, इतना कुछ होने के बाद कुछ लोगों को संन्यास ले लेना चाहिए। ऐसा नहीं हुआ है, जनता को वातावरण तैयार करना पड़ेगा। पहले पत्रकारिता मिशन थी, एक उद्देश्य था समाज का हित था, नीतियों पर कुठाराघात था, पर अब टॉप आ गया, सनसनीखेज मसाला। मीडिया के पतन की यह दास्तान बहुत लंबी है। और फिलहाल उम्मीद की कोई किरण कहीं नजर नहीं आती।

सामाजिक व्यवहार : हमें अच्छा नहीं बल्कि तुरंत चाहिए

डॉ. रामावतार शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

हमारे व्यवहार में लगातार होने वाले परिवर्तनों को नजदीक से अध्ययन करने पर बहुत सी बातें सामने आती हैं बशर्ते साक्षी को समय हो कि वह जरा चैन से एक जगह बैठे और जो कुछ उसके चारों तरफ हो रहा है उसका तटस्थ अवलोकन करे, एक संपूर्ण श्रावक बने और लोगों के व्यवहार का अध्ययन करे। मेरे कुछ व्यक्तिगत अनुभव हैं और कितने ही अन्य लोगों से भी प्राप्त हुए हैं। इन दोनों प्रकार के अनुभवों की सूची लंबी है जोकि किसी भी एक लेख की परिधि से बाहर की बात है। अब यहां एक विशेष व्यवहार पर बात करना जायज होगा जिसको हम जल्दबाजी कहते हैं। जल्दबाजी का एक बड़ा उदाहरण आप सड़क पर देख सकते हैं। एक बार सीकर बायपास पर दो बस इस तरह से अटक गई जहां उनको एक दूसरे को रास्ता देने में कोई दो से तीन मिनट का समय लग गया। अब मेरे देश के वीर बहादुरों के पास तीन मिनट का समय कहां था? हॉर्न से कानों को फोड़ते हुए देश के जांबाजों ने इधर उधर, टेढ़ी मेढी कारें निकालने के भागीरथी प्रयास चंद सेकेंड में ही प्रारंभ कर दिए। दोनों तरफ का रास्ता बंद हुआ तो पुलिस के दो चार सिपाही आए। बीएमडबल्यू, होंडा सिटी, क्रेटा और कितनी ही कारों के तथाकथित संभ्रांत लोगों को जमकर लताड़ लगाई और जो काम नियमानुसार ड्राइविंग से तीन मिनट में हो सकता था उसमें एक घंटे से भी ज्यादा समय लगा क्योंकि भाई लोगों को जल्दी घर पहुंचना था। मैं बस सोचता रहा कि वे तपोभूमि की सब्र की बातें कहां गई क्योंकि अधिकतर कारों पर सीकर के क्षेत्र में स्थित दो धार्मिक स्थानों के जयकारे चिपके हुए थे। तीर्थ जाना और तीर्थ यात्रा करना कितना अलग होता है। मेरी अपनी क्लिनिक में जो भी आता है वह बाकी इंतजार कर रहे लोगों को बायपास कर पहले अपनी जांच करने की जिद करता है। कई भाई लोग तो अपॉइंटमेंट लेना अपनी शान के खिलाफ समझते हैं खासकर यदि वे किसी नेता या अधिकारी के करीबी हों, छुटभैया नेता जी हों या यकायक धनी बन गए हों। सेक्रेटरी से जिरह बाजी, धमकी, गाली गलौच सब का उपयोग कर सकते हैं पर चंद मिनट इंतजार नहीं कर सकते। यदि उनकी बात नहीं मानी तो बेवजह गूगल रेटिंग कम करने के धंधे में जुट जाएंगे। आज कल जातीय नेताओं की एक नई जमात और आ गई है जो अकसर तीन चार के झुंड में आते हैं और इतनी तेज आवाज में बतियाते हैं कि पूरा क्लिनिक मछली बाजार लगने लगता है। जिस समाज में न शांति है और ना ही सब्र वह विश्वगुरु होने का दावा ठोकता कितना हास्यास्पद लगता है। किसी भी राष्ट्र का चरित्र उसकी सड़कों पर नजर आता है, सार्वजनिक एवं सेवा के स्थानों पर उसके व्यवहार में नजर आता है। अब चाहे राष्ट्रीय राजमार्ग हो या शहर के चौराहे के यातायात नियंत्रक लाल हरे संकेत, हम रोज देखते हैं कि लोग किस बेशर्मी से कानून का उलंघन करते हैं और खुद के साथ दूसरे लोगों के जीवन को खतरे में डालते हैं।

चिंता बढ़ा रही आत्महत्या की बढ़ती दर

अमित बैजनाथ
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

पिछले साल विश्व स्वास्थ्य संगठन यानी कि डब्ल्यूएचओ की एक रिपोर्ट आई थी। इसमें बताया गया था कि साउथ-ईस्ट एशियाई देशों में भारत में सुसाइड रेट सबसे ज्यादा है। डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में एक लाख आबादी पर 16.5 लोग सुसाइड कर लेते हैं। दूसरे नंबर पर श्रीलंका है, जहां एक लाख में 14.6 लोग खुदकुशी कर लेते हैं। भारत की समायोजित वार्षिक आत्महत्या दर 10.5 प्रति 100,000 है, जबकि पूरे विश्व में आत्महत्या की दर प्रति 100,000 पर 11.6 है। दुनिया में हर साल लगभग आठ लाख लोग आत्महत्या करते हैं। इनमें से 1,35,000 (करीब 17 प्रतिशत) भारत के लोग हैं। गौरतलब है कि दुनिया की कुल आबादी में भारत का हिस्सा करीब 17.5 फीसदी है। ब्ल्यूएचओ के मुताबिक, दुनियाभर में हर साल 8 लाख से ज्यादा लोग सुसाइड करते हैं, यानी कि हर 40 सेकंड में एक सुसाइड। भारत में हर साल एक लाख से ज्यादा आत्महत्या होती हैं। इस पर नियंत्रण पाने के लिए डब्ल्यूएचओ के सुझाव पर हर साल 10 सितंबर को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया जाता है। वहीं नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के मुताबिक, साल 2021 में भारत में कुल 1,64,033 लोगों ने आत्महत्या। इनमें से 25.6 प्रतिशत दिहाड़ी मजदूर थे। साल 2021 में कुल 42,004 दिहाड़ी मजदूरों ने आत्महत्या की। इनमें 4,246 महिलाएं भी शामिल थीं। वहीं आत्महत्या करने वाले लोगों में एक बड़ा वर्ग उन लोगों का था, जिनका खुद का रोजगार था। इस वर्ग में कुल 20,231 लोगों ने आत्महत्या की, जो कुल आत्महत्या की घटनाओं का 12.3 प्रतिशत है। इन 20,231 लोगों में से 12,055 खुद का बिजनेस चलाते थे और 8,176 लोग अन्य तरह के स्वरोजगार से जुड़े थे। एनसीआरबी की रिपोर्ट में पिछले पांच सालों के आत्महत्या के साल-दर-साल आंकड़े प्रकाशित किए गए हैं। इस पर नजर डालें तो ये बात बिल्कुल साफ हो जाती है कि आत्महत्या की घटनाओं का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है। साल 2017 में देश में 1,29,887 आत्महत्याओं के मामले रिकॉर्ड किए गए थे, तब आत्महत्या दर 9.9 थी। आत्महत्या दर प्रति लाख आबादी पर होने वाली आत्महत्या की घटनाओं को दर्शाती है। साल 2017 के आंकड़ों के मुताबिक, देश में प्रति लाख 9.9 आत्महत्या की घटनाएं दर्ज की गईं। साल 2018 में आत्महत्या दर में इजाफा हुआ और यह बढ़कर 10.2 पर पहुंच गया। तब देश में 1,34,516 आत्महत्या के मामले दर्ज हुए थे। वहीं साल 2019 में कुल 1,39,123 लोगों ने आत्महत्या की। साल 2020 में यह संख्या बढ़कर 1,53,052 हो गई थी। अक्सर लोगों का मानना होता है कि सुसाइड के पीछे खराब आर्थिक हालत वजह होती होगी या फिर बेरोजगारी, लेकिन ऐसा नहीं है। एनसीआरबी के मुताबिक, पिछले साल जितने लोगों ने सुसाइड किया, उनमें से सबसे ज्यादा 32.4 प्रतिशत ने परिवार की दिक्कतों से तंग आकर आत्महत्या कर ली।

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

ईश्वर की प्राप्ति हो गई तो स्वतः ही सब कुछ मिल गया। जिसे ईश्वर मिल गए, अष्ट सिद्धियां भी उसके सामने हाजिर खड़ी रहती है। वह उनका प्रयोग भी जगत के कल्याण के लिए ही करता है। ईश्वर मिलने के बाद उसे सिद्धियों से क्या लेना-देना। जिसका मन टेढ़ा है-सरल नहीं है, उसे ईश्वर का ज्ञान नहीं होता। छुआछूत, संशय, टेढ़ापन आदि ईश्वर प्राप्ति में बाधक है। शिष्य ने गुरु से पूछा-क्या करूं जो ईश्वर को पाऊं। गुरू ने कहा मेरे साथ आओ। उसे एक तालाब में डुबाकर ऊपर से पकड़ रखा, वह छटपटाने लगा। कुछ देर बाद उसे पानी से निकाल लिया और पूछा पानी के भीतर तुम्हें कैसे लगता था। महाराज मेरे प्राण डूबते उतराते थे जान पड़ता था अभी प्राण निकल जाएंगे। गुरु ने कहा देखो इसी तरह जब ईश्वर के लिए व्याकुलता होती है तब उनके दर्शन होते हैं। भगवान पास ही हैं किन्तु उन्हें जानने का उपाय नहीं। क्योंकि बीच में महामाया है, महामाया के द्वार छोड़ने पर भीतर प्रवेश मिलेगा तब ईश्वर के दर्शन होंगे। इसलिए साकार की यानि शक्ति की उपासना आवश्यक है। ईश्वर भक्ति से मिलते हैं। भक्ति पाने की इच्छा हो तो कुछ समय एकान्त में रहना होगा। शान्त जगह में ही ईश्वर का चिंतन करने से मनभक्ति, ज्ञान अथवा वैराग्य का अधिकारी होता है। क्रमशः

ओपिनियन

पूजा को निष्फल करता मिलावटी-नकली तेल

डॉ. मनोज मुरारका
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

न्याय के देवता कहे जाने वाले शनिदेव पर भक्त शनिवार को सरसों का तेल चढ़ाते हैं। क्या आप जानते हैं कि हम जो तेल चढ़ा रहे हैं, वह नकली और मिलावटी है? असल में अन्य तेलों का मिश्रण कर बनाया जाने वाला सरसों का मिलावटी, नकली और अशुद्ध सरसों तेल शनिदेव की प्रतिमा पर चढ़ाया जा रहा है। शनिदेव पर 100 एमएल से लेकर 500 मिलीलीटर और एक लीटर तक की बोतल में तेल चढ़ाया जाता है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि मिलावटी तेल को शनिदेव की प्रतिमा पर चढ़ाए जाने से प्रतिमा को क्षति पहुंचती है। साथ ही मिलावटी सरसों के तेल से भगवान शनिदेव प्रसन्न नहीं होते हैं। ज्योतिष विशेषज्ञ कहते हैं कि भगवान शनिदेव पर अगर मिलावटी तेल चढ़ाया जाए तो उसका कोई फल प्राप्त नहीं होता है, क्योंकि नकली चढ़ावे की पूजा भी नकली मानी गई है और नकली पूजा का फल भी नकली ही मिलता है।

इसी तरह भाग्योदय के लिए हनुमान जी की प्रतिमा के सामने सरसों के तेल का दीपक जलाया जाता है। लोग अपने घर पर भी ऐसा करते हैं। वे हनुमान जी की तस्वीर के सामने सरसों के तेल का दीपक जलाते हैं। हम बाजार से जो खुला या बोतलबंद सरसों का तेल लाते हैं, वह अक्सर मिलावटी होता है। इसे हम नकली भी कह सकते हैं। इस सरसों के तेल में अरंडी का तेल, चावल की भूसी का तेल (राइस ब्रान) और कनोला (कनाडा का थर्ड क्लास मस्टर्ड ऑयल) मिलाकर मिलावटी तेल तैयार किया जाता है। जानकारी के अभाव में हम ऐसे तेलों की मिलावट वाला तेल शनिदेव की प्रतिमा पर चढ़ाकर, दीपक जलाकर या फिर पूजा में इस्तेमाल करके अनजाने में पाप के भागी बन रहे हैं। हमें इस बात को समझना होगा कि कौनसा तेल नकली और मिलावटी और कौनसा असली?

असल में घटिया क्वालिटी के सरसों के तेल में पीला रंग भी मिलाया जाता है। उसमें सरसों के तेल का मारूंगा मिलाकर सुगंध सरसों के तेल जैसी बना दी जाती है और महंगे दामों पर बेचा जाता है। वहीं सरसों में आर्जीमोन मेक्सिकाना के बीज की मिलावट भी की जाती है। सरसों के तेल में इस बीज का तेल मिल जाता है, जो बहुत नुकसानदायक है। बाजार में एक किस्म कच्ची घानी तेल के रूप में बहुत प्रचलित है। ज्यादातर कंपनियां इसे असली तेल बताती हैं, जबकि इसमें भी जमकर मिलावट होती है। हमें इसकी पहचान करना आना चाहिए। असली कच्ची घानी के तेल को तिलहनों को बहुत कम तापमान पर गर्म करके तैयार किया जाता है। बहुत कम तापमान में गर्म होने के कारण तेल में मौजूद पोषक तत्व बने रहते हैं और यह शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होता है। कच्ची घानी का तेल सरसों, तिल, मूंगफली, राई इत्यादि तिलहनों से प्राप्त होता है।

सरसों के तेल में मिलावट लाही मिलाकर भी होती है। तीन किलो लाही में एक किलो तेल निकलता है। इस समय लाही का भाव 55 रुपए किलो है, लेकिन बाजार में एक लीटर सरसों का तेल 100 से 140 रुपए तक मिल रहा है। साफ है कि इसमें दूसरे तेल भी मिलाए जा रहे हैं। सरसों के तेल में पाम ऑयल, राइस ब्रान, आर्जीमोन, गुल्लू, अलसी का तेल भी मिलाया जाता है। आर्जीमोन और अलसी के तेल का स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ता है। इनकी मिलावट कर सरसों के तेल की कीमत कम की जाती है। आठ जून, 2021 से सरसों के तेल में किसी दूसरे तेल की मिलावट कर उस पर सरसों का तेल नहीं लिखा जा सकता, लेकिन अभी भी तेल में मिलावट धड़ल्ले से चल रही है। बाजार में सरसों की तरह दिखने वाले ऐसा तेल भी मिल रहा है, जिसकी बोतल पर सरसों तो नहीं लिखा है, लेकिन तेल सरसों का कहकर ही बेचा जा रहा है। इसका रंग भी सरसों के तेल की तरह है। इसका भाव 100 से 110 रुपए के बीच है। सरसों के तेल में आर्जीमोन तेल की मिलावट से नेत्र रोग, हृदय रोग, ट्यूमर, वेट बेरी से मिलता-जुलता रोग जलोदर हो जाता है। वहीं इसमें खनिज तेल मिलाने से लिवर रोग व कैंसर की शुरुआत होती है। मिलावटी या नकली सरसों के तेल के सेवन से ड्रॉप्सी रोग भी होता है। यह भी घातक रोग है। इससे रोगी की मौत भी हो जाती है। अगर आप सरसों के तेल की जांच करना चाहते हैं तो सरसों के तेल में अरंडी के तेल की मिलावट जांचने के लिए एक परखनली में एक मिली तेल लें। इसमें 10 मिली अम्लीकृत पेट्रोलियम ईथर मिलाएं। दो मिनट तेजी से हिलाएं। अब इसमें एक बूंद अमोनियम मोलिब्डेट रीजेंट मिलाएं।

हमे भेजें

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद् सन/डॉटर भेज सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com

सम्पर्क करें : 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

पंचांग

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 20/09/2023

सूर्योदय : 06:17 **सूर्यास्त :** 18:22 **चन्द्रोदय :** 10:47 **चन्द्रास्त :** 21:31 **शक सम्वत :** 1945 सोभाकृतु **अमान्ता महीना :** भाद्रपद **पूर्णिमांत :** भाद्रपद **सूर्य राशि :** कन्या **चन्द्र राशि :** तुला **पक्ष :** शुक्ल **तिथि :** पंचमी, 14:12 तक **वार :** बुधवार **शक सम्वत :** 1945 शोभकृत **चन्द्रमास भाद्रपद :** पूर्णिमान्त **भाद्रपद :** अमान्त **विक्रम सम्वत :** 2080 नल **गुजराती सम्वत :** 2079 आनन्द

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : विशाखा, 14:48 तक
योग : विष्कंभ, 27:02 तक
प्रथम करण : बालवा, 14:12 तक
द्वितिय करण : कौवाला, 26:17 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:34 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	04:58 ए एम से
विजय मुहूर्त	02:17 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	06:21 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	06:21 पी एम से
अमृत काल	4:55 एएम, सितम्बर 21 से
निशिता मुहूर्त	11:51 पी एम से
सर्वार्थ सिद्धि योग	02:59 पी एम से
अमृत सिद्धि योग	02:59 पी एम से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुति : बुध
कुंभ चक्र: दक्षिण

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
अमृत : 06:16 - 07:47	उद्वेग : 06:21 - 07:51
काल काल वेला : 07:47 - 09:18	शुभ : 07:51 - 09:20
शुभ : 09:18 - 10:49	अमृत : 09:20 - 10:50
रोग : 10:49 - 12:20	चर : 10:50 - 12:19
उद्वेग : 12:20 - 01:51	रोग : 12:19 - 01:49
चर : 01:51 - 03:22	काल : 01:49 - 03:18
लाभ वार वेला : 03:22 - 04:53	लाभ : 03:18 - 04:48
अमृत : 04:53 - 06:24	उद्वेग : 04:48 - 06:17

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज पंचमी

आज कौन सा कार्य करें

पंचमी समस्त शुभ कार्यों के लिए उत्तम है परंतु इस दिन ऋण कतई नहीं देना चाहिए।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।
ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋय दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।
यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

भाद्रपद, शुक्ल, पंचमी, 2080 बुधवार, 20 सितम्बर - 26 सितम्बर, 2023

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
कम समय में अधिक आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकेंगे। मध्यान पश्चात मित्र-परिजनों के साथ मनोरंजन के अवसर मिलेंगे धार्मिक कार्यो में भी उपस्थिति देंगे। उत्तम भोजन वाहन सुख मिलेगा।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
क्रय-विक्रय के व्यापार से लाभ होगा विदेशी वस्तुओ के व्यापार में निवेश आगे के लिये लाभदायक रहेगा। प्रेम प्रसंगों में सम्बन्ध बिगड़ेंगे। संध्या बाद असंयमित दिनचर्या से थकान रहेगी।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]
आकस्मिक यात्रा के योग बनेंगे यात्रा में चोटादि का भय है सावधान रहें। सरकारी दस्तावेजो को संभाल कर रखें। संतान के कारण हानि हो सकती है। विदेशी अथवा दूर रहने वाले व्यक्ति से लाभ हो सकता है।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

केन्द्र सरकार मिनिमम सपोर्ट प्राईस (एम.एस.पी.) के नियमों में बदलाव

केन्द्र ने मांगें न मानी तो देशभर के आढ़ती शुरू करेंगे संघर्ष

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर/ नई दिल्ली। पंजाब आढतियां एसोसिएशन के द्वारा आयोजित चण्डीगढ़ मीटिंग में हरियाणा, पंजाब, उत्तरप्रदेश, हिमाचल प्रदेश, यूनियन टेरेटरी चण्डीगढ़ के आढतियां एसोसिएशनों के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

केन्द्र सरकार मिनिमम सपोर्ट प्राईस (एम.एस.पी.) के नियमों में बदलाव कर आढतियों को अनाज के कारोबार से बेदखल करने के लिये आगे बढ़ रही है। इस साजिश का विरोध उपस्थित सभी पदाधिकारियों द्वारा जोरदार तरीके से किया जायें और प्रधानमंत्री कार्यालय को निवेदन किया जायें कि गेहूं, पेडी, कपास आदि की खरीद समर्थन मूल्य पर की जाने वाली खरीद आढ़तियों के मार्फत की जावें। आढ़तियों को कृषि विपणी अधिनियम के अनुसार मण्डी में देय आढ़त दी जावें। मौजूदा नियम लागू कर गेहूं पर प्रति क्विंटल राजस्थान में 41.40 रुपये तथा पंजाब में 45.80 रुपये प्रति क्विंटल कर दिये हैं। इस कारण से आढती को 6 रुपये से 12 रुपये प्रति क्विंटल का नुकसान हो रहा है। मांग की गयी है कि आढत 2.50 रुपये सैंकड़े के हिसाब से दी जायें।

भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल के राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबूलाल गुप्ता तथा पंजाब आढतियां ऐसोसिएशन के प्रधान रवीन्द्र सिंह चीमा ने बताया कि फसल खरीद के बीच मौजूद अहम कड़ी आढती से देश के किसी भी किसान को कभी भी कोई शिकायत नहीं रही। लेकिन मौजूदा दौर में मल्टीनेशनल कंपनियों को अनाज खरीद में फायदा देने व भविष्य में देश के अनाज पर एकछत्र कंट्रोल करने की मंशा के साथ केन्द्र सरकार नीतियों की अनदेखी करके व नियमों में मनचाहे बदलाव करके आढतियों को उन्हीं के धंधे से बाहर कर रही है। इससे न सिर्फ आढती परिवार प्रभावित होंगे, बल्कि उनके साथ जुड़े करोड़ों मजदूर व किसान परिवार भी प्रभावित होंगे।

गुप्ता ने कहा कि उपस्थित सभी प्रांतों के प्रतिनिधियों ने अपने मत रखते हुए यह बताया है कि सिर्फ अनाज ही नहीं बल्कि कॉटन जैसे अन्य उत्पादों को खरीद से भी आढ़तियों को बाहर किया जा रहा है। हिमाचलप्रदेश तथा राजस्थान के सभी मण्डी के आढ़तियों को समर्थन मूल्य पर खरीद से बाहर कर दिया है। इसलिये मांग की गयी है कि देश में समर्थन मूल्य पर खरीद की जाने वाली सभी कृषि जिंस आढतियां के मार्फत खरीद की जायें और कृषि विपणी अधिनियम के अनुसार मुकर्रर की गयी आढ़त दी जायें।

केन्द्र सरकार से मांग करते हुए गुप्ता ने कहा कि स्टीलसाइलो भण्डारण योजना पर केन्द्र सरकार को पुनः विचार करना चाहिए। अडानी के इन गोदामों में गेहूं भरने पर भारतीय खाद्य निगम (सरकार) को 144 रुपये प्रति क्विंटल प्रतिवर्ष का किराया देना पड़ता है। जबकि रियायती गोदामों में भण्डारण पर केवल 94 रुपये प्रतिवर्ष का खर्चा आता है। इन स्टीलसाइलो में भण्डारण करने पर लाखों अनपढ़ मजदूरों तथा ट्रक ऑपरेटर्स का रोजगार खत्म होता है और आढ़तियां की आढ़त भी भारतीय खाद्य निगम नहीं देता है। इसलिये भारतीय खाद्य निगम मण्डी के आढ़तियां के मार्फत माल खरीदें, ताकि लाखों मजदूरों एवं ट्रक ऑपरेटर्स को मजदूरी मिलती रहे और आढ़तियां को आढ़त भी मिलती रहे।

गुप्ता ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा 28-09-2023 तक हमारी मांगे नहीं मानी तो हमें बाध्य होकर 28 सितम्बर को पुनः देश के सभी आढतियां एसोसिएशनों की मीटिंग आमंत्रित कर आंदोलन की रूपरेखा तय करनी पड़ेगी। जिसकी सभी जिम्मेदारी केन्द्र सरकार की होगी।

मिट्टी कला चिकित्सा

क्ले आर्ट थेरेपी, मिट्टी कला चिकित्सा का उपयोग अक्सर किया जाता है क्योंकि प्राकृतिक मिट्टी और कृत्रिम मिट्टी सस्ती भी है व आसानी से मिल जाती है। मिट्टी लचीली होती है और हाथों की गति और स्पर्श के माध्यम से रचनात्मकता द्वारा मिट्टी को ढालने में क्रिया शैली और कल्पना, शरीर की सभी इंद्रियों को उत्तेजित करती है।

क्ले आर्ट थेरेपी क्या है?

आर्ट थेरेपी एक पूरक थेरेपी के रूप में उभरी है। मरीजों की तकलीफ कम करने की विधि प्रदान करती है।आत्म-अभिव्यक्ति, आत्म-पहचान, प्रभावी संचार और उनके बारे में जागरूक होकर दुनिया के साथ फिर से जुड़ने की चिकित्सा कला है। मिट्टी कला चिकित्सा रोगियों के लिए लाभकारी सिद्ध हुई। यह रोगियों को सक्रिय विचार और सतर्क अवस्था के दौरान उनकी बीमारी को भूला देती है। रचनात्मक गतिविधियों के परिणामस्वरूप गामा तरंगों की आवृत्ति सबसे अधिक होती है और प्रदर्शन के साथ क्रमबद्ध होती है। मिट्टी चिकित्सा कला में पेंटिंग, मिट्टी मूर्तिकला आदि संश्लेषण, एक साथ प्रसंस्करण और सूचना-समृद्ध कार्य शामिल है। क्ले आर्ट थेरेपी का उपयोग अक्सर चिकित्सीय प्रयोजनों के लिए चिकित्सा में किया जाता है। मिट्टी के चिकित्सीय लाभ हैं जैसे स्पर्श करना, मॉडलिंग करना, रचनात्मकता की भावना विकसित करना और गैर-मौखिक संचार। इसका व्यक्ति के आत्मविश्वास, सौंदर्य संबंधी संवेदनशीलता, धैर्य, सहयोग और एकजुटता की भावना पर पुनर्वासकारी न्यूरोलॉजिकल प्रभाव पड़ता है। अनुशासित कार्य, लड़ाई के आवेगों और क्रोध तथा बदले की भावना को खत्म करता है।

मिट्टी कला चिकित्सा व स्वास्थ्य

क्ले थेरेपी ने रोगियों को उनकी कठिनाइयों, संघर्षों, भय और चिंताओं को कम दर्दनाक तरीके से अनुभव करने की क्षमता दी है। यह मानसिक बीमारी को सकारात्मक तरीके से निर्देशित करने के साथ-साथ व्यक्तिगत और पारिवारिक झगड़ों को सुलझाने का एक प्रभावी तरीका था। मानसिक विकार में भावात्मक एवं भावनात्मक प्रकृति के नकारात्मक कारक जैसे अवसादग्रस्त भावनाएँ, चिंता, तनाव, भय, आक्रामकता और उदासीनता में न्यूनता लाने हेतु कारागार सिद्ध हुआ है।

- डॉ. मोनिका रघुवंशी, बीकानेर

151 युवाओं ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चितौड़गढ़। सावा को उप तहसील का दर्जा मिलने पर ग्रामीणों ने राज्यमंत्री का जताया आभार घोषणा पर 151 युवाओं ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। राजस्थान सरकार के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के अनगढ़ बावजी आगमन पर राजस्थान धरोहर प्राधिकरण बोर्ड के अध्यक्ष राज्यमंत्री सुरेंद्र सिंह जाड़ावत के प्रस्ताव पर चित्तौड़गढ़ विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत सावा को उप तहसील का दर्जा मिलने की घोषणा के बाद ग्रामीणों ने सोमवार को गांव स्तिथ लक्ष्मीनाथ मंदिर प्रांगण में राज्यमंत्री सुरेंद्र सिंह जाड़ावत का आभार जताते हुए स्वागत किया सावा में उप तहसील की घोषणा व जाड़ावत के विकास कार्यो से प्रभावित होकर 151 युवाओं ने भाजपा छोड़कर कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की एवं 2023 के आगामी विधानसभा चुनावों में राज्य की अशोक गहलोत सरकार को रिपीट करने का संकल्प लिया राज्यमंत्री ने कांग्रेस पार्टी का उपरना पहनाकर कर पार्टी में स्वागत किया।प्रवक्ता नवरतन जीनगर ने बताया कि सावा को उप तहसील का दर्जा देने की मांग को लेकर विगत कई दिनों से राज्यमंत्री सुरेंद्र सिंह प्रयासरत रहे ग्रामीणों की आवश्यकता को एवं जनहित से जुड़ी मांग को देखते हुए राज्यमंत्री ने मुख्यमंत्री को अनगढ़ बावजी आगमन पर सावा को उप तहसील का दर्जा दिलवाने का प्रस्ताव सौंपा जिस पर मुख्यमंत्री ने घोषणा की उसके पश्चात राज्यमंत्री सावा पहुंचे वहा ग्रामीणों ने उनका स्वागत कर आभार जताया।

जिला कलक्टर ने किया अतिरिक्त जिला कलक्टर कार्यालय कक्ष का उद्घाटन

केकड़ी @ जागरूक जनता। जिला कलक्टर खजान सिंह ने मंगलवार 19 सितंबर को नगर परिषद परिसर में नवनिर्मित अतिरिक्त जिला कलक्टर कार्यालय कक्ष का फीता काटकर उद्घाटन किया। उन्होंने गणपति की पूजा अर्चना कर अतिरिक्त जिला कलक्टर दिनेश धाकड़ एवं कलेक्ट्रेट के समस्त कार्मिकों को शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर दिनेश धाकड़ सहित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहें।

राजनीतिक भाषण से लेकर टीवी डिबेट, इंटरव्यू, प्रेस कॉन्फ्रेंस सहित कई तरह की होगी ट्रेनिंग

राजस्थान का पहला पॉलिटिकल ग्रूमिंग व ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट हुआ शुरू

राजनीतिज्ञ, मीडिया कर्मी व एंकर योगेन्द्र गुप्ता देंगे ट्रेनिंग

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजधानी में "बी स्मार्ट इन्स्टीट्यूट" के नाम से राजस्थान के पहले पॉलिटिकल ग्रूमिंग व ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट का शुभारम्भ हो गया है जिसमें विविध क्षेत्रों में कार्यरत प्रखर वक्ता, राजनीतिज्ञ, एंकर और मीडिया कर्मी योगेन्द्र गुप्ता राजनीति से सम्बन्धित विभिन्न तरह की ट्रेनिंग देंगे !

योगेन्द्र गुप्ता ने बताया कि राजनीतिक क्षेत्र में आने वाले नए इच्छुक व पहले से कार्यरत व्यक्तियों को राजनीति से सम्बन्धित विभिन्न विधाओं को समझना व जानना आवश्यक है, लेकिन राजस्थान में ऐसा कोई भी ट्रेनिंग सेंटर नहीं है जहाँ पर इस तरह की ट्रेनिंग उपलब्ध हो । राजनीति में सफलता के लिए प्रखर वक्ता होने के साथ-साथ मीडिया सहित राजनीति के विभिन्न क्षेत्रों की जानकारी का होना आवश्यक है । इसी बात को ध्यान में रखते हुए ट्रेनिंग में चुनावी व राजनीतिक भाषण देने, टीवी पर लाइव डिबेट, इंटरव्यू व बाईट देने, प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, सोशल व वेब मीडिया की कार्य पद्धति, प्रेस कॉन्फ्रेंस टेक्निकल से लेकर विभिन्न पब्लिसिटी टूल्स, प्रचार सामग्री तथा उनके उपयोग सहित कई विषयों की ट्रेनिंग उपलब्ध होगी । ट्रेनिंग मॉड्यूल में इंटिग्रेटेड ट्रेनिंग और सेगमेंट वाइज ट्रेनिंग दोनों ही उपलब्ध होंगी।

ट्रेनिंग मेथड के बारे में जानकारी देते हुए गुप्ता ने कहा कि ट्रेनिंग पूरी तरह से प्रैक्टिकल होगी जिसके टीवी चैनल, प्रेस कॉन्फ्रेंस तथा कार्यकर्ता मीटिंग जैसे अहसास के लिए साउंड प्रूफ हाईटेक क्लासरूम बनाया गया है जिसमें साउंड, विभिन्न तरह के माइक्रोफोन, कैमरा, क्रोमा सहित आवश्यक तकनीकी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उल्लेखनीय है कि आकाशवाणी पर उद्घोषक के रूप में कार्य कर चुके योगेन्द्र गुप्ता एमएनआईटी जैसी शैक्षणिक संस्था के एंटरप्रीन्योर्शिप डवलपमेंट सेल में ट्रेनर के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं । राजनीतिक क्षेत्र की बात करें तो योगेंद्र गुप्ता वर्तमान में आम आदमी पार्टी राजस्थान के मुख्य प्रवक्ता हैं। "बी स्मार्ट इन्स्टीट्यूट" की संस्थापक मंजू गुप्ता ने कहा कि इन्स्टीट्यूट में राजनीति के आलावा कम्युनिकेशन स्किल, पब्लिक स्पीकिंग तथा प्रोफेशनल एंकरिंग की जनरल ट्रेनिंग भी उपलब्ध होगी।

आरजीएचएस कार्ड पुनः चालू करने की मांग

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान राज्य पंचायत परिषद के अध्यक्ष सुभाष पाराशर ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से आरजीएचएस कार्ड पुन: चालू करने की मांग की है। पाराशर ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर मांग की है कि पिछले एक वर्ष से राजस्थान खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के सेवानिवृत कर्मचारियों के आरजीएचएस कार्ड की सेवाएं बंद होने के कारण 650 कर्मचारी परेशानी का सामना कर रहे हैं। अत: आपसे निवेदन है कि इन कर्मचारियों का आरजीएस कार्ड पुन: बनवाएं।

लंदन के ब्रिटिश पार्लियामेंट में नवाजे गए जयपुर के आर्टिस्ट धर्मेन्द्र भल्ला

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर के एमिनेंट आर्टिस्ट धर्मेन्द्र सिंह भल्ला को इनोवेटिव जूलरी डिजाइन को प्रमोट करने में उल्लेखनीय योगदान के लिए वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के प्रतिष्ठित इंटरनेशनल एक्सीलेंस अवॉर्ड्स लंदन से नवाजा गया है।

हाल में हाउस ऑफ कॉमन्स, ब्रिटिश पार्लियामेंट, वेस्टमिनिस्टर एसडब्ल्युआई लंदन, यूके में हुए अवॉर्ड सेरेमनी में आर्टिस्ट भल्ला को यह अवॉर्ड शैडो मिनिस्टर फोर इंटनेशनल ट्रेड यूनाइटेड किंगडम ग्रेथ रिचर्ड थॉमस, मेंबर ऑफ पार्लियामेंट यूके वीरेन्द्र शर्मा व वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के सीईओ संतोष शुक्ला ने प्रदान किया। समारोह में मेंबर ऑफ पार्लियामेंट यूनाइटेड किंगडम (यूके) बॉब ब्लैकमैन और मेंबर ऑफ द हाउस ऑफ लॉर्ड्स यूनाइटेड किंगडम लॉर्ड रैमी रेंजर सीबीई समेत कई अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

गौरतलब है कि मिनिस्ट्री ऑफ टेक्सटाइल की ओर से भारत का पहला डिजाइन इनोवेशन नेशनल अवॉर्ड हासिल करने वाले आर्टिस्ट भल्ला कला अपनी क्रिएटिविटी और कुंदन जड़ाई के बारीकबीनी वर्क में सिद्धहस्तता को लेकर खास पहचान रखते हैं। उनका कहना है कि किसी भी कलाकृति की खूबसूरती को उसकी लंबाई, चौड़ाई और ऊंचाई से नहीं मापा जा सकता है। इसे मापने का क्राइटिरिया सिर्फ विजन ही है। तभी उस कला में संस्कृति, सभ्यता और नैसर्गिक प्रकृति का तादात्म्य भाव छलकता है।

राजस्थान बना मृत शरीर को सम्मान देने वाला कानून देश का पहला राज्य

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मृत शरीर को रखकर प्रदर्शन करना अब अपराध होगा और ऐसे मामलों में 6 माह से 5 साल तक की सजा हो सकती है। वहीं लावारिश शव के मामले में अंतिम संस्कार से पूर्व मृत व्यक्ति के डीएनए सहित अन्य जानकारी को सुरक्षित रखना सरकार का दायित्व होगा। परिजनों के अंतिम संस्कार नहीं करने पर सरकार द्वारा अधिकृत अधिकारी शव का अंतिम संस्कार करा सकेगा। राज्य सरकार ने इन प्रावधानों से संबंधित राजस्थान मृत शरीर का सम्मान अधिनियम-2023 को लागू कर दिया है। इस तरह का कानून लाने वाला राजस्थान संभवत पहला राज्य है। प्रदेश में वर्ष 2014 से लेकर अब तक 300 से अधिक बार शव रखकर प्रदर्शन किया गया, वहीं अब तक 3200 से अधिक मृत शरीर लावारिस पाए गए।

कानून के खास-खास प्रावधान

- » अंतिम संस्कार 24 घंटे में करना होगा, कार्यपालक मजिस्ट्रेट समय सीमा बढ़ा सकेगा।
- » परिजन द्वारा शव नहीं लेने पर एक वर्ष, परिजन द्वारा शव रखकर प्रदर्शन करने पर 2 वर्ष की सजा व जुर्माना
- » शव रखकर किए जाने वाले प्रदर्शन में बाहरी व्यक्ति के शामिल होने पर उसे 6 माह-5 वर्ष तक सजा व जुर्माना।
- » परिजन द्वारा अंतिम संस्कार नहीं करने पर लोक प्राधिकारी अंतिम संस्कार करा सकेगा।
- » लावारिश शव का डीएनए प्रोफाइलिंग और आनुवंशिक जेनेटिक डाटा सुरक्षित रखा जाएगा, ताकि भविष्य में उसकी पहचान की जा सके।

ईआरसीपी में देरी बर्दाश्त नहीं

जयपुर @ जागरूक जनता। सुभाष पारासर ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर मांग की है कि ईआरसीपी में देरी अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उल्लेखनीय है कि पाराशर अन्ना हजारे की टीम के राजस्थान प्रभारी हैं। पाराशर के अनुसार सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने टोडाभीम के पास कुठीला बालाजी में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि पूर्वी राजस्थान के लिए ईआरसीपी बहुत ही जरूरी है। राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने में सरकार दो र नहीं करनी चाहिए। ईआरसीपी नहीं दी तो नई दिल्ली के रामलीला मैदान के बाद दूसरा बड़ा आंदोलन पूर्वी राजस्थान की धरती पर होगा। वे 22 जिलों के पानी के हक के लिए आंदोलन में दो कदम आगे रहने को तैयार हैं।

प्रारूप-13

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगर पालिका, रींगस, जिला-सीकर (राज.)

SR.No.:- न.पा.रींगस/2023-24/2645 DATE : 14/9/2023

-: लोक सूचना :-

अद्योहस्ताक्षरकर्ता की जानकारी में यह लाया गया है कि नगरीय क्षेत्र रींगस में स्थित भूमि या उसके भाग जिनका विवरण नीचे दिया गया है का 31 दिसम्बर 20231 से पूर्व की कालावधि से गैर कृषि प्रयोजनों के लिए उपयोग किया जा रहा है/ किया गया है और इसलिए निम्नांकित भूमि या उसके भाग में व्यक्तियों के अधिकार/हित राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90क की उपधारा (8) के अधीन पर्यवसित किये जाने के दायी है:-

क्र.सं.	राजस्व ग्राम का नाम	खसरा नम्बर	क्षेत्रफल (हैक्ट.)
01		3121	0.3100
02		6020/3369	0.3017
03	रींगस	6022/3370	0.1800
04		3359/2	0.3800
05		1296/1	3.37

अत: उक्त भूमि में हित रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति को इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना प्रकाशन की तारीख से 07 दिन के भीतर- भीतर कारण बताये क्यों न उक्त भूमि पर उसके अधिकारों और हित को पर्यवसित कर दिया जावे और इसलिए क्यों न भूमि को राज्य सरकार समस्त विल्लगमों से मुक्त निहित किया जा सके। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर से अधीन दिनांक..... के दिन जारी की जाती है।
नोट- खातेदारों के पूर्ण पते उपलब्ध न होने से उक्त लोक सूचना को व्यक्तिगत नोटिस भी माना जावेगा। दिनांक- स्थान-रींगस

(हरिनारायण यादव)
प्राधिकृत अधिकारी
नगर पालिका रींगस

मां बनने का अनुभव हर महिला के लिए बहुत स्पेशल होता है, लेकिन कुछ महिलाओं को प्रेग्नेंसी के दौरान मॉर्निंग सिकनेस जैसी प्रॉब्लम फेस करनी पड़ती है। क्या है यह प्रॉब्लम, इसके प्रमुख लक्षण, इससे बचाव और उपचार के तरीके, आपको भी पता होने चाहिए।

प्रेग्नेंसी में मॉर्निंग सिकनेस
ना घबराएं-करें ये उपाय

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

मॉर्निंग सिकनेस प्रेग्नेंट महिलाओं में होने वाली कॉमन प्रॉब्लम है, जो प्रेग्नेंट होने के नौ सप्ताह बाद शुरू होती है और पहली तिमाही के दौरान सबसे अधिक होती है। सामान्य तौर पर दूसरी तिमाही के मध्य से अंत तक इसके लक्षणों में सुधार होने लगता है। लेकिन कुछ महिलाओं को प्रेग्नेंसी के पूरे पीरियड में मॉर्निंग सिकनेस फील होता है।

जनरल सिंप्टंप्स : मॉर्निंग सिकनेस के सामान्य लक्षणों में जी मिचलाना और उल्टी शामिल हैं, जो किसी खास प्रकार की गंध, मसालेदार खाने, गर्मी, अत्यधिक लार बनने या कई बार बिना कारण भी हो सकता है।

तब डॉक्टर से करें कंसल्ट : वैसे तो उल्टी करने की प्रक्रिया प्रेग्नेंट शिशु को नुकसान नहीं पहुंचाती है, लेकिन यह पेट की मांसपेशियों पर दबाव डाल सकती है। इससे पेट के आस-पास के हिस्से में दर्द और सूजन हो सकती है। कई सारे अध्ययनों में मॉर्निंग सिकनेस और मिसकैरेज (गर्भपात) होने के रिस्क के बीच संबंध पाया गया है। फिर भी, लगातार उल्टी (जिसकी वजह से डिहाइड्रेशन और वजन कम होता है) होने से आपके बच्चे को सही पोषण नहीं मिल पाता और जन्म के समय बच्चे का कम वजन होने का रिस्क हो सकता है। ऐसे में अगर यहां बताए जा रहे सिंप्टंप्स दिखने लगें तो डॉक्टर से कंसल्ट करना चाहिए।

- अगर आपको लगातार मितली या उल्टी हो रही हो।
- कम मात्रा में यूरीन हो या फिर उसका रंग गहरा हो जाए।
- लिक्विड निगलने में भी मुश्किल लग रही हो।
- खड़े होने पर चक्कर महसूस हो रहा हो।
- हार्ट बीट्स तेज चल रही हों।

सिवियर मॉर्निंग सिकनेस : ऐसा बहुत कम होता है कि मॉर्निंग सिकनेस एक ऐसी स्थिति में पहुंच जाए कि वह हाइपरमेसिस ग्रेविडेरम में बदल जाए। मॉर्निंग सिकनेस की सिवियर कंडीशन को ही हाइपरमेसिस ग्रेविडेरम कहते हैं। 1,000 में से किसी एक प्रेग्नेंट महिला को ऐसी समस्या होती है। इसके लक्षणों में डिहाइड्रेशन, लगातार वॉमिटिंग और वेट लूज होना शामिल हैं। ऐसे में इंट्रावीनस फ्लूएड्स के जरिए न्यूट्रिएंट्स देना पड़ सकता है। मेडिकल ट्रीटमेंट ना कराने से कई प्रॉब्लम्स हो सकती हैं, जैसे इलेक्ट्रोलाइट्स का डिसबैलेंस, सीरियस एंग्जाइटी या डिप्रेशन, एंब्रयो में न्यूट्रिएंट्स की कमी और लीवर, हार्ट, किडनी और ब्रेन पर प्रेशर पड़ना।

ऐसे करें केयर : अगर प्रेग्नेंसी के दौरान आपको मॉर्निंग सिकनेस की प्रॉब्लम हो रही है तो बिना अपने डॉक्टर से कंसल्ट किए कोई दवा ना लें। साथ ही ये उपाय भी आजमाएं।

- सुबह के समय सबसे पहले स्वीट क्रैकर्स या ड्राई क्रैकर्स खा लें।
- थोड़े-थोड़े अंतराल पर कुछ-कुछ खाती रहें, क्योंकि खाली पेट होने से मितली का अनुभव होता है।
- जितना हो सके लिक्विड डाइट लें। डॉक्टर से पूछकर फलों के जूस, जिंजर टी, वेजिटेबल सूप ले सकती हैं। आप चाहें तो आइस क्यूब चूस सकती हैं।
- डॉक्टर से कंसल्ट कर विटामिन बी6 वाले सप्लीमेंट्स ले सकती हैं।
- लूज ड्रेस पहनें ताकि पेट पर किसी प्रकार का प्रेशर ना पड़े।
- अनावश्यक चलने-फिरने से बचें। ज्यादा चलने ये मॉर्निंग सिकनेस गंभीर हो सकता है। बेहतर है जितना हो सके आराम करें।

बचाव : हालांकि मॉर्निंग सिकनेस से पूरी तरह बचा नहीं जा सकता है। लेकिन बहुत तेज गंध, ज्यादा थकान, मसालेदार या अधिक मीठे खाद्य पदार्थ खाने से मॉर्निंग सिकनेस ट्रिगर हो सकती है। ऐसे में इनसे बचकर मॉर्निंग सिकनेस से बचाव में काफी मदद मिल सकती है।

फिटनेस फंडा / पायल रोहतगी

जानी-पहचानी मॉडल और एक्ट्रेस पायल रोहतगी एक्टिंग के साथ ही अपनी फिटनेस का भी पूरा ध्यान रखती हैं। इसके लिए वे किस तरह का डाइट प्लान और वर्कआउट शेड्यूल फॉलो करती हैं बता रही हैं, पायल रोहतगी।

मेरी लाइफ में फिटनेस
बहुत मायने रखती है

लगभग दो दर्जन फिल्मों और कई टीवी शोज में एक्ट कर चुकीं पायल रोहतगी सोशल मीडिया पर भी बहुत एक्टिव रहती हैं। वे 'फियर फैक्टर इंडिया', 'बिग बॉस', 'नच बलिए' जैसे रियालिटी शोज का भी पार्ट रही हैं। हाल ही में आल्ट बालाजी पर टेलिकास्ट हुए रियालिटी शो 'लॉकअप' को लेकर भी वे चर्चा में रहीं। इतना बिजी होने के बावजूद वे काफी फिट दिखती हैं। यहां पायल रोहतगी अपना फिटनेस सीक्रेट **सहेली** से साझा कर रही हैं, अपनी जुबानी।

लेती हूं बैलेंस्ड डाइट

मैं वेजिटेरियन हूं, इसलिए प्रोटीन की जरूरी मात्रा पूरी करने के लिए मूंग दाल चीला या बेसन चीला, बाजरा या ज्वार की रोटी, दाल खाती हूं। इनके अलावा सब्जी, सलाद, दही, ताजे फल लेती हूं या फ्रेश जूस पीती हूं। चाय या कॉफी दिन में केवल एक बार लेती हूं। ब्रेड और मैदे से बनी डिशेज खाने से बचती हूं। जब घर से बाहर होती हूं तो मेरे साथ हमेशा मेरे डाइट स्नैक्स होती हैं। जब मन करता है, तब स्वीट डिश खा लेती हूं या कभी बाहर कुछ खाने का मन होता है तो उसे खा लेती हूं। कहने का मतलब है कि मैं ना तो बहुत ज्यादा खाती हूं, ना ही खुद को भूखा रखती हूं, खाने में बैलेंस रखती हूं। साथ ही अपने बॉडी वेट पर भी नजर रखती हूं।

वॉकिंग-जॉगिंग-एक्सरसाइज

मैं डेली वॉकिंग या जॉगिंग के अलावा योग और वर्कआउट दोनों करती हूं। मेरा मानना है इससे मेरी बॉडी, माइंड और सोल में बैलेंस बना रहता है। मैं अपने फैंस से यही कहूंगी कि अपनी एज और स्ट्रेंथ के अनुसार एक्सरसाइज के साथ वॉकिंग या जॉगिंग भी जरूर करें। अगर जॉगिंग में कंफर्टेबल फील नहीं करतीं तो डेली कुछ समय वॉक जरूर करें। अपने रूटीन बेसिक एक्सरसाइज में बॉडी स्ट्रेचिंग को भी जरूर शामिल करें।

मिस नहीं करती योग करना

फिटनेस मेरी जिंदगी में बहुत ज्यादा मायने रखती है। इसका अंदाजा आप इस बात से लगा सकती हैं कि पिछले 12 साल में एक दिन भी ऐसा नहीं गया, जिस दिन मैंने योग नहीं किया हो। योग मेरे डेली रूटीन का बहुत इंपॉर्टेंट पार्ट है। योग फिट रहने का ऐसा जरिया है, जिसे हर आयुवर्ग का इंसान कर सकता है। इसलिए मैं तो कहूंगी कि हर किसी को अपनी हेल्थ अच्छी रखने के लिए डेली योगाभ्यास करना चाहिए। हम सबका दिन रोज एक जैसा नहीं हो सकता, कभी मन को खुशी तो कभी तनाव और निराशा मिलती है। ऐसे में योग करने से मन को भी शांति और खुशी मिलती है, जीवन में संतुलन बना रहता है, हम पॉजिटिव बने रहते हैं।

कुछ पल बिताती हूं नेचर के करीब

सच कहूं तो एसी के कूल जोन में रहने की बजाय नेचर के करीब खुले वातावरण को ज्यादा एंज्वॉय करती हूं। इसीलिए मैं गार्डन या पार्क में योग-एक्सरसाइज करना पसंद करती हूं। नेचर के करीब कुछ पल बिताने का अपना ही मजा है। जब भी मौका मिलता है, मैं अपने हसबैंड संग्राम के साथ पार्क में वर्कआउट भी करती हूं। इससे फिजिकल फिटनेस के साथ मेंटल पीस भी मिलती है।

यूजफुल / मधु सिंह

प्रेग्नेंट वूमेन का हैप्पी मम्मी सर्कल!

अनुभा मां बनने वाली थी। उसके पड़ोस में रहने वाली रितिका का भी चौथा महीना चल रहा था। अकसर दोनों जब शाम को वॉक करने के लिए पार्क में मिलतीं तो अपनी-अपनी प्रेग्नेंसी के बारे में कई तरह की बातें डिस्कस करतीं, जैसे-मॉर्निंग सिकनेस, मूड स्विंग, वजन बढ़ना, वेस्ट साइज बढ़ना और भी ऐसी कई बातें। दोनों अपनी समस्याओं को लेकर काफी देर तक बतियाती रहतीं। दोनों की डिलीवरी का समय जैसे-जैसे नजदीक आ रहा था, उनके आस-पड़ोस की कुछ और प्रेग्नेंट महिलाएं इस मम्मी सर्किल में शामिल हो गईं। इससे उन सभी को अपनी-अपनी कंडीशन डिस्कस करने का अच्छा माहौल मिलने लगा।

सीखने को मिलता है काफी कुछ : कोई भी महिला जब प्रेग्नेंट होती है तो वह हर ऐसी महिला को ध्यान से देखती है, जो प्रेग्नेंसी के दौर से गुजर रही होती है। उसे चाहे वह मार्केट में देखे या डॉक्टर के क्लीनिक में। जैसे ही दोनों में बातचीत का सिलसिला शुरू होता है तो जल्द ही उनमें एक ट्यूनिंग हो जाती है, क्योंकि उनकी बातचीत का मेन एजेंडा मां बनने से संबंधित होता है। ऐसी महिलाओं का ग्रुप एक-दूसरे के लिए बहुत यूजफुल साबित होता है, क्योंकि इनसे उनको बहुत सारी काम की बातें और सीखें मिलती हैं।

कई प्रॉब्लम्स का मिलता है सॉल्यूशन : अगर आप प्रेग्नेंसी के दौरान इससे संबंधित बुक्स पढ़ती हैं तो इनसे बहुत कुछ जान सकती हैं लेकिन इससे जुड़ी कई उलझनों या सवालों का समाधान आपके परिवार की कोई महिला, आपकी फ्रेंड या मम्मी सर्किल से जुड़ी कोई दूसरी प्रेग्नेंट महिला भी कर सकती है। जो महिलाएं इससे गुजर चुकी होती हैं, वे आपके लिए ज्यादा सहायक हो सकती हैं। दरअसल, ये सुझाव प्रैक्टिकल एक्सपीरियंस पर आधारित होते हैं, इसलिए अधिक इफेक्टिव होते हैं। इस तरह आप तमाम समस्याओं के बारे में ना केवल अपनी चिंताओं का निराकरण कर सकती हैं, सुकून से भी रह सकती हैं।

मजबूत होती है दोस्ती : इस मम्मी सर्कल की सबसे अच्छी बात यह है कि प्रेग्नेंसी के दौरान बनी यह दोस्ती, बच्चे के जन्म के बाद भी बनी रहती है बल्कि ज्यादा गहरी हो जाती है। बच्चे के जन्म के बाद एक-दूसरे के साथ बच्चों के विषय में बातें करने के नए-नए विषय इस मम्मी सर्कल की बातचीत में जुड़ जाते हैं।

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

बीते कुछ महीनों से कॉलेज गोइंग गर्ल्स हों या वर्किंग वूमेन या फिर हाउस वाइफ, सभी को न्यूड लिपस्टिक काफी भा रही है। अच्छी बात यह है कि हर स्किन टोन के लिए इसमें अलग-अलग शेड्स मिल जाते हैं। और क्या खास है इसमें, कैसे यह देती है आपके मेकअप को अट्रैक्टिव लुक, जानिए।

न्यूड लिपस्टिक से निखरे लिप्स ब्यूटी

हाल में बीते फेस्टिव सीजन के दौरान महिलाओं के बीच न्यूड लिपस्टिक का ट्रेंड काफी देखने को मिला। एक्सपर्ट्स का कहना है कि आने वाले कई वीक्स तक न्यूड लिपस्टिक ट्रेंड में रहने वाली है।

क्या है न्यूड लिपस्टिक : न्यूड लिपस्टिक बोलने में भले थोड़ी झिझक लगे लेकिन वास्तव में इसका मतलब यह है कि ऐसा लिपस्टिक शेड, जो स्किन टोन से हू-ब-हू मैच करता हो। आमतौर पर जब किसी की स्किन बहुत फेयर हो और वो पर्पल कलर की लिपस्टिक लगा ले या इसी तरह डार्क कॉम्प्लेक्शन वाली महिलाएं डार्क रेड लिपस्टिक लगा लेती हैं, तो वो अलग से चमकने लगती है। इन दोनों से अलग न्यूड लिपस्टिक हू-ब-हू स्किन कलर जैसी होती है। कई बार तो पता ही नहीं चलता कि आपने लिपस्टिक लगाई हुई है या नहीं। न्यूड लिपस्टिक में एक बिल्कुल अलग तरह का ग्लो होता है, लेकिन यह आंखों को चुभता नहीं है। न्यूड लिपस्टिक अपने नेचुरल ग्लो से ब्यूटी में चार चांद लगा देती है।

मिलते हैं कई शेड्स : मार्केट में सैकड़ों शेड्स की न्यूड लिपस्टिक मौजूद हैं। दरअसल, सरसरी नजर में भले हम अलग-अलग लोगों के स्किन कलर को गोरे और सांवले में बांट दें, लेकिन हकीकत में इस गोरे और सांवले में भी दर्जनों डिफरेंट शेड्स होते हैं। न्यूड लिपस्टिक की खासियत यह है कि वो हर उस स्किन टोन के लिए उपलब्ध होती है, जो आमतौर पर महिलाओं की स्किन में हो सकती है।

न्यूड लिपस्टिक के फायदे : यह फेस पर लगे हैवी मेकअप को बैलेंस कर देती है, इसलिए हैवी मेकअप से जो ऑड फीलिंग हो सकती है, उसे खत्म कर देती है। लाइट कलर की यह लिपस्टिक फेस अट्रैक्शन को बढ़ा देती है। न्यूड लिपस्टिक की एक खासियत यह भी है कि बहुत कम मेकअप या बिल्कुल मेकअप ना करने पर भी यह फेस लुक को बेहतर ढंग से बैलेंस करती है। लेकिन यह तभी संभव है, जब आप न्यूड लिपस्टिक खरीदते समय अपनी स्किन टोन और लिपस्टिक के शेड्स को बहुत अच्छी तरह से मैच करवा लें। इसलिए जब भी न्यूड लिपस्टिक खरीदने के लिए जाएं तो बिना मेकअप के जाएं और इसे खरीदते समय अपने होंठों पर ट्राई कर लें, इससे आपको हेल्प मिलेगी।

निखरती है पर्सनालिटी : अगर आपकी स्किन बिल्कुल फेयर है तो आपको ब्राइट शेड्स की ही न्यूड लिपस्टिक लगानी चाहिए। अगर आपकी स्किन सांवली है तो लाइट शेड्स की ही लिपस्टिक लगाएं। अगर आप किसी और शेड की लिपस्टिक अप्लाई करती हैं तो आपको गॉर्जियस लुक नहीं मिलेगा।

स्टाइलिश हूप ईयररिंग्स

हालांकि फैशन स्टाइल में अलग-अलग ड्रेस या ज्वेलरी आइटम्स का ट्रेंड आता-जाता रहता है। लेकिन कुछ आइटम्स सालों से आउट ऑफ डेट नहीं होते हैं। हूप ईयररिंग्स भी इन्हीं में से एक है।

कमी नहीं डिजाइंस की : एक से बढ़कर एक ब्यूटीफुल डिजाइंस की रेंज हूप ईयररिंग्स में अवेलेबल हैं। इन ईयररिंग्स में आपको सिंपल लुक के साथ कई तरह स्टाइलिश डिजाइन भी मिल जाएंगी। इसमें आपको गोल्ड-सिल्वर प्लेटेड, क्रिस्टल, प्लास्टिक, पर्ल, स्टोन, बीड्स, ग्लास बीड्स, फ्लैट डिजाइन, रोज गोल्ड, व्हाइट गोल्ड, डायमंड, प्लेटिनम, बेंबू स्टाइल, हूप विद पेंडल, स्टरलिंग सिल्वर हूप, स्पाइरल डिजाइन, रोप्ड हूप, ट्रेडिशनल-एथनिक डिजाइन, ट्विस्ड थिन हूप, ट्राइबल डिजाइन, एल्फाबेट स्टाइल हूप जैसे कई पैटर्न मिल जाएंगे। इसके अलावा इनमें आपको कई तरह के अट्रैक्टिव शेप, प्रिंट्स और मैटेरियल में भी ईयररिंग्स मिल जाएंगे।

कलर ऑप्शन हैं कई : इन ईयररिंग्स में सिंगल कलर से लेकर, डार्क, ब्राइट, लाइट, डबल, टू-टोन कलर, श्री कलर, ट्रांसपैरेंट, नियॉन, शाइन, कंट्रास्ट, मल्टीकलर तक अवेलेबल हैं। सिल्वर मैटेलिक, गोल्डन और ब्रॉन्ज कलर के हूप भी आपको क्लासी लुक देंगे।

ओवर साइज्ड हूप्स : हूप्स में आप अपनी पसंद के हिसाब से छोटे से लेकर मीडियम या बड़े साइज के ईयररिंग्स पहन सकती हैं। लेकिन इन दिनों ओवरसाइज हूप ईयररिंग्स ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। अगर आप कैजुअल या कूल लुक चाहती हैं तो ओवरसाइज हूप ईयररिंग्स बेस्ट ऑप्शन होगा। इसे आप किसी भी ड्रेस के साथ कैरी कर सकती हैं।

(ज्वेलरी डिजाइनर स्वाति चौहान से बातचीत पर आधारित)

फैशन

लॉन्ग श्रग से दें ड्रेसअप को नया लुक

श्रग कैरी करने का फैशन नया नहीं, कई सालों से बना हुआ है। लेकिन इन दिनों लॉन्ग श्रग्स का ट्रेंड ज्यादा है। इसमें वैरायटी और डिजाइंस की कमी नहीं है, साथ ही इसे कैरी करने पर आपका ओवरऑल लुक चेंज हो जाता है। इसके पैटर्न और वियरिंग स्टाइल पर एक नजर।

अगर आप लेटेस्ट फैशन को फॉलो करती हैं, तो आपको यह पता होगा कि इन दिनों श्रग ट्रेंड में है। लेकिन शॉर्ट नहीं, लॉन्ग श्रग। लॉन्ग श्रग कैरी करने से आपके ड्रेसअप को नया लुक मिल जाता है। आप अपनी पसंद के कलर और डिजाइन के लॉन्ग श्रग्स को ऑफलाइन या ऑनलाइन स्टोर से खरीद सकती हैं।

मौजूद हैं कई पैटर्न

लॉन्ग श्रग, शॉर्ट श्रग जैसा ही होता है। बस, इसके स्टाइल और लेंथ में अंतर होता है। इसकी लेंथ ही इसे अन्य श्रग्स से स्पेशल बनाती है। लेंथ में भी ये तीन अलग-अलग पैटर्न में मिल जाएंगे-थाई लेंथ, काफ लेंथ और ऐंकल लेंथ। इसमें फुल लेंथ में फ्लेयर श्रग्स भी ट्रेंड में हैं। लॉन्ग श्रग्स में स्लीव्स के भी कई पैटर्न आपको मिल जाएंगे। जैसे- हाफ स्लीव्स, क्वार्टर स्लीव्स, टाइट स्लीव्स, बेल स्लीव्स, पफ स्लीव्स। आप अपनी पसंद के अकॉर्डिंग कोई भी चुन सकती हैं। लॉन्ग श्रग में प्लेन के अलावा कलरफुल कॉम्बिनेशन भी आपको मिल जाएगा। इसी तरह फ्लोरल और डबल साइडेड श्रग्स भी ईजिली मार्केट में मिल जाते हैं। इसमें नॉर्मल हॉजरी फैब्रिक के अलावा कॉटन विद लाइक्रा फैबिक मिल जाता है। इसके अलावा इसमें क्रोशिया, नेट, शिफॉन और जार्जेट फैब्रिक भी पसंद किया जाता है। वैसे तो इनमें सभी कलर अच्छे लगते हैं, लेकिन इन दिनों इसमें ब्राइट कलर ट्रेंड में हैं।

खरीदने से पहले रखें ध्यान

श्रग की खरीदारी करते समय खास ध्यान रखें कि यह थिन यानी पतले फैब्रिक में हो। साथ ही फैब्रिक में लाइक्रा फैब्रिक का ब्लेंड जरूर हो। लाइक्रा फैब्रिक की ब्लेंडिंग से आप बगैर किसी परेशानी के बॉडी मूवमेंट्स कर सकती हैं। थिक फैब्रिक का श्रग कैरी करने से लेयर फैट को हाइट करना मुश्किल होता है और इस वजह से स्टाइलिश दिखने के बजाय आप फैटी दिख सकती हैं।

कहां करें कैरी

लॉन्ग श्रग्स को किसी भी सीजन में पहन सकते हैं। लॉन्ग श्रग को आप कॉलेज, ऑफिस, गेटटूगेदर या फॉर्मल पार्टीज में कैरी कर सकती हैं। ऐसा नहीं है कि लॉन्ग श्रग सिर्फ प्लस साइज की महिलाएं ही कैरी कर सकती हैं। स्लिम महिलाएं भी इसे पहनकर अपने लुक्स को और अट्रैक्टिव दिखा सकती हैं। लेकिन लॉन्ग श्रग कैरी करते समय कुछ बातों का ध्यान रखें-

- फ्रेंड्स के साथ गेटटूगेदर पर कुछ अलग दिखना चाहती हैं तो लॉन्ग श्रग्स पहनें।
- जींस के साथ, क्रॉप टॉप या स्लीवलेस ऑनपीस ड्रेस या प्लाजो पैंट के साथ भी लॉन्ग श्रग्स अच्छे लगते हैं।
- ऑफिसियल वियर में कॉटन फैब्रिक ड्रेसअप पर ब्लॉक प्रिंट वाले लॉन्ग श्रग्स आप पहन सकती हैं। यह कॉम्बिनेशन आपके लुक्स को उभारेगा।

शराब तस्करी से बदनाम सिरोही अब कई डब्बा ट्रेडिंग जुआ व सट्टा से बदनाम न हो जाये?

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सिरोही @ तुषार पुरोहित। कहते हैं कानून के हाथ लम्बे होते हैं। यदि पुलिस चाहे तो हर प्रकार के अवैध कृत्य पर प्रभावी नकेल कस सकती है, और अपराधियों को सलाखों के पीछे भेज भी सकती है। परन्तु जिस प्रकार सिरोही जिला अवैध शराब तस्करी के मामलें में पूर्व में पूरे प्रदेश में में बदनाम की दास्तां झेल चुका है। ज्ञात रहें उस समय इस तस्करी के खेल में किस प्रकार पुलिस विभाग के जिम्मेदार पुलिस अधीक्षक सहित अन्य जिम्मेदारों की भूमिका व कार्यशैली जग जाहिर हुई थी यह किसी से छुपा रहस्य नहीं है। कुछ इसी प्रकार से बदनामी की राह पर अब आबूरोड़ शहर में फैला यह डब्बा ट्रेडिंग जुआ व सट्टा बन रहा है। ऐसे में इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि कई सिरोही पुलिस की छवि को एक बार फिर प्रदेश भर में यह डब्बा ट्रेडिंग धूमिल न कर दे। आबूरोड़ क्षेत्र में फैले जुए व सट्टे के अवैध धंधे ने पुलिस की कार्यशैली व भूमिका पर गम्भीर सवालियां निशान खड़ा कर दिया है..? सबसे बड़ा प्रश्न यह उठ रहा है कि आबूरोड़ शहर पुलिस डब्बा ट्रेडिंग जुए सट्टे पर इतनी मेहरबान क्यों..? पुलिस अधीक्षक सिरोही द्वारा यदि इसकी गहनता से जाँच पड़ताल करके पुरानी फाइलों को टटोला जाये तो कई रहस्य खुल सकते हैं। साथ ही इस बात की भी संघन जाँच हो कि इस डब्बा ट्रेडिंग के गिरोह को कौन श्रेय दे रहा यानी किसकी मिलीभगत है, यह भी जाँच का अहम बिंदु है।

एक देश एक संविधान फिर एक ही जुर्म में अपराधियों पर अलग अलग धारा क्यों ..?

देश के दो राज्यों में सम्भवत एक ही प्रकार के जुर्म व अपराध में अलग धाराओ में मुकदमा दर्ज होता है जो कई सवाल खड़े कर रहा है। दअरसल हमने दो राज्यों में दर्ज एफआईआर की पड़ताल की जिसमे आबूरोड रीको थाना पुलिस ने एक जुआरी के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की थी जिसमें आईपीसी की धारा -420, 120 बी, राजस्थान सार्वजनिक धूत अध्यादेश 1949, की धारा 13, अग्रिम संविदा विनियमन अधिनियम 1952, की धारा 20, 21, प्रभिभूति संविदा विनियमन अधिनियमन 1956 की धारा 23 A, के तहत प्रकरण दर्ज किया गया था। जबकि गुजरात राज्य के एक थाने मे जुआरियो के विरुद्ध जुआ अधिनियम कि धारा-4, 5 और आईपीसी - 406, 420, 465, 467, 468, 471, 120 (बी), 34, 2011,आईटी अधिनियम धारा 6, (सी),(डी), 7(पी), ओर सुरक्षा संपर्क विनियमन अधिनियम 1956 -की धारा- 23 (ई), 23 एएफ, 23 जी, 23 एच, में एक एफआईआर दर्ज हुई थी। जो कठोर कार्रवाई का प्रतीक है। अब आपके जहन में प्रश्न यह उठ रहा होगा कि हर राज्य में अलग अलग कानून बने होगे इसलिए ऐसा हुआ होगा। तो आपको बता दे कि राज्य का कानून अलग हो सकता है परन्तु आईपीसी यानी भारतीय दंड संहिता तो पूरे देश मे समान लागू होती है।

कई आबूरोड़ क्षेत्र में जुआरियो पर पुलिस मेहरबान तो नहीं..?

जिस रूप से डब्बा ट्रेडिंग के इस अवैध धंधे ने आबूरोड़ में अपनी जड़ें गहरी जमा दी है। उससे कई सवाल तो उठना वाजिब है। परन्तु पुलिस की भूमिका पर तब सवाल उठते है जब पुलिस द्वारा किसी जुर्म में संलिप्त अपराधियो पर कठोर कार्रवाई करने की बजाए उन पर सहानुभूति दिखाई जाती है। वजह भले ही कोई भी रहीं हो यह कृत्य अपराध व अपराधियों दोनो को बढ़ावा देता है। आबूरोड क्षेत्र में जुआ सट्टा पनपने के पीछे कई रहस्य हो सकते हैं..? परन्तु कोई इसकी तह में जाकर तहकीकात की जहमत नहीं उठा रहा क्योकि आपसी साठगाँठ की जड़े गहरी जम चुकी है। यह समाज को तो तबाह कर ही रहा साथ में पुलिस की छवि पर भी सवाल उठ रहे हैं।

जिम्मेदारों से जवाब मांगते सवाल..?

आबूरोड़ में धड़ल्ले से चल रहें डब्बा ट्रेडिंग जुए व सट्टे के अवैध धंधे की पुलिस को भनक नही हो? यह बात शायद ही किसी के जहन में उतरे की पुलिस को पता न हो? यदि पता नहीं तो फिर थाना क्षेत्र में अवैध गतिविधियों का कौन पता रखेगा? थाने में कार्यरत आसूचना अधिकारी ने और अन्य जिम्मेदारों ने फिर क्या ध्यान रखा? थाना पुलिस की भूमिका व कार्यशैली अपने कर्त्तव्य के प्रति निष्ठावान होती तो फिर अवश्य जुआरियो पर प्रभावी नकेल कसी होती? क्या इस डब्बा ट्रेडिंग के खेल को पनपाने के पीछे लाखों रुपये की मंथली चलती है? कई इसलिए तो जिम्मेदार नतमस्तक तो नही? क्षेत्र का युवा व कई परिवार बर्बाद हो रहें हैं इसका जिम्मेदार कौन? थाना क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर कार्रवाई का जिम्मा फिर किसका? पुलिस द्वारा प्रभावी नकेल न कसने में पीछे क्या राज? थाना क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर कार्रवाई की जिम्मेदारी फिर किसकी?

डब्बा ट्रेडिंग जुआ व सट्टा की जांच चल रहीं, फिलहाल में कई बैठेने बाहर आया हूं।

- बलभद्र सिंह, थानाधिकारी, आबूरोड़ सिटी

रबी फसल पूर्व उर्वरक आदान को लेकर कलक्टर की अध्यक्षता में बैठक आयोजित

केकड़ी @ जागरूक जनता। रबी सीजन वर्ष 2023-24 मे उर्वरक आदान व्यवस्था के लिए जिला कलक्टर की अध्यक्षता में कृषि आदान थोक विक्रेता एंव आदान आपूर्ति कम्पनी प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। जिला कलक्टर खजान सिंह ने बताया कि जिले में इस समय हो रही लगातार वर्षा से कुल बुवाई क्षेत्र में वृद्धि होना लाजमी है । इसके लिए जिले में समस्त निजी एवं सहकारी और राजकीय आदान वितरण प्रतिष्ठानों पर खाद बीज उर्वरक की उपलब्धता समय पर होना जरूरी है । साथ ही जिले मे पर्याप्त वर्षा होने के कारण 15 सितम्बर से बुवाई सीजन शुरू हो गया है। वर्तमान मे जिले में रबी सीजन 2023-24 का सम्भावित बुवाई क्षेत्र लगभग 2 लाख 11 हजार हेक्टर है। इसके लिए औसत रूप से डीएपी उर्वरक की 12 हजार मेट्रिक टन और यूरिया उर्वरक की 25 हजार मैट्रिक टन सम्भावित आवश्यकता होगी ।

परिवर्तन संकल्प यात्रा के तहत आयोजित प्रेसवार्ता

बेराजगारों के नाम पर बनाई कल्ला कमेटी की रिपोर्ट अभी तक नहीं आई, ये है न्याय-राठौड़

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नवलगढ़/झुंझुनू। प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि प्रदेश में महिलाओं, बच्चियों के साथ अनाचार, अत्याचार, उत्पीड़न व दुष्कर्म की घटनाए चरम पर हैं। प्रदेश के किसी भी कोने में महिला सुरक्षित नहीं है। प्रदेश में बिजली कटौती का संकट बना हुआ है अघोषित बिजली कटौती के कारण जनता को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें किसान वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। आज बिजली के तीनों डिस्कॉम घाटे में चल रहें है, सरकार खुदके थर्मल पावर प्लांट बंद करके प्राइवेट कंपनियों से मंहगी बिजली खरीद रही है।

नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि प्रदेश में राजस्व विभाग में भ्रष्टाचार इस कदर है कि आम जनता का काम बिना पटवारियों को कमीशन दिये नहीं होता है। कांग्रेस सरकार 2018 के चुनाव में किसानों का संपूर्ण कर्ज माफ करने का वादा करती है, लेकिन जब सत्ता में आती है तो कर्जमाफी का वादा भूल जाती है। युवाओं को बेराजगारी भत्ते का वादा किया था। उसके लिए बनाई गई कल्ला कमेटी की रिपोर्ट आज तक नही आयी। वादा कर्जमाफी का किया और बदले में किसानों की जमीनें नीलाम हो

गई और खाते एनपीए हो गये। कांग्रेस सरकार में कुर्सी की लड़ाई पूरे पांच साल चली है। इनके यहां दो टीमें बनी हुई हैं टीम ए और टीम बी जिनके बीच हमेशा लड़ाई चलती रही है।

नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने युवाओं के भविष्य के साथ ऐसा खिलवाड़ किया है जिसकी भरपाई कभी नहीं हो सकती। सभी भर्तियों के पेपर लीक हुए हैं ऐसे में लाखों युवाओं का भविष्य चौपट हो गया। कांग्रेस सरकार सांप्रदायिक सदभाव कायम करने में पूरी तरह विफल रही है। प्रदेश की वीरांगनाओं के अधिकारों पर कुठाराघात हुआ है। जयपुर में धरने पर बैठी वीरांगनाओं को घसीटकर वहां से उठाया गया। मेरा दावा है कि विधानसभा चुनावों में चूरू, सीकर और झुन्झुनु की सभी सीटें भाजपा जीतेगी।

प्रेसवार्ता में पूर्व मंत्री व प्रदेश उपाध्यक्ष प्रभुलाल सैनी, ज़िला अध्यक्ष पवन कुमार मावंडिया, परिवर्तन संकल्प यात्रा के सह प्रभारी व प्रदेश उपाध्यक्ष श्रवण सिंह बगड़ी, ज़िला प्रमुख हर्षिनी कुलहरि, विधायक रामलाल शर्मा, जिला प्रभारी केडी बाबर, मीडिया सहयोगी कृष्ण कुमार जानू और अनिल बंसल मौजूद रहे।

असरा वेलफेयर सोसाइटी अवार्ड

92 प्रतिभाएं सम्मानित

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। असरा वेलफेयर सोसाइटी के दसवें प्रतिभा सम्मान समारोह में चित्तौड़गढ़ जिले की 92 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया संस्था के अध्यक्ष मोहम्मद सिद्दीक नूरी ने बताया कि मीरा मार्केट में स्थित एक वाटिका में आयोजित सम्मान समारोह में कक्षा 10, 12 एवं डिग्री डिप्लोमा में इस वर्ष श्रेष्ठ अंको से उत्तीर्ण होने वाले समाज के 83 विद्यार्थियों को असरा अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। अवार्ड के रूप में संस्था की ओर से प्रत्येक छात्र-छात्रा को एक शील्ड, जाहिद बेगम फाउंडेशन की ओर से एक मेडल और मेवाड़ यूनिवर्सिटी की ओर से फोल्डर- टी शर्ट देकर सम्मानित किया गया ।इस क्रम में जिन विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किये उन्हें समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों द्वारा राशि 1000 नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में समाज एवं शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली संस्थाओं एवं व्यक्तियों को भी असरा स्पेशल अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। इसमें एम्स सोसाइटी सावा, काजी पिया ब्लड फाउंडेशन, इकबाल अहमद छीपा भीलवाड़ा के अलावा शिक्षाविद चंद्रशेखर त्रिपाठी, देवी चरण पचोरी एवं हंसराज मीणा को भी असरा स्पेशल अवार्ड से सम्मानित किया गया।

मनिहार समाज का सम्मान समारोह आयोजित

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

रींगस। हाल ही में 13 सितम्बर को हरफूल मनियार के पोते की शादी हुई थी, जिसमे समाज सुधार के नियमो के तहत शादी की गई, साथ ही नगद व सोने का लेनदेन बिल्कुल नही किया। जिसके उपलक्ष में मनिहार समाज सम्मान समारोह का आयोजन कस्बे की इस्लामिया मदरसा में आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता कजोड़ शेख ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका उपाध्यक्ष अमित शर्मा, विशिष्ट अतिथि बदरुद्दीन, गुलकेश, हरफूल, इदु, छीतर (नजीर अहमद) निवासी कोटड़ी धायलान व हाजी पप्पू खा, आसिफ पावटा व तालाधोला वाले रहे। वक्ता महबुब पचार, आरिफ खण्डेला, हुसेन खा जवानपुरा व बाबू खा महरौली थे। सम्मान समारोह के दौरान समाज के लोगों द्वारा निर्णायक फैसले लिए गए, जिसमें दहेज जैसी प्रथा व मृत्यु भोज पूरी तरह से खत्म किया गया। इस अवसर पर सुंडा, इस्माइल, शुभराती, नजीर अहमद, अकबर, वजीर, सलीम मनोहरपुर, इदु लामिया, फूल खा, सत्तार खा, भवर बल्लूपुरा, टिक्सा कंप्यूटर सेंटर के संचालक सलीम मनियार, इसाक महरोली, नूर मोहम्मद सहित आसपास के गांवो के सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

अखिल भारतीय एससी एसटी महासंघ की तहसील स्तर की बैठक आयोजित

पांच मांगों को लेकर जिला व उपखण्ड स्तर पर देंगे ज्ञापन

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

रींगस। कस्बे के मील तिराहे के समीप रामेश्वर कालोनी में अखिल भारतीय एससी एसटी महासंघ शाखा रींगस की तहसील स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया, सर्वप्रथम डॉ भीमराव अम्बेडकर की छाया चित्र पर दीप प्रज्जवलित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय एससी एसटी महासंघ तहसील अध्यक्ष गोपाल गुरावा व मुख्य अतिथि महासंघ के प्रदेश सचिव नरसाराम गोरा ने की। इसी दौरान ही महासंघ शाखा रींगस तहसील स्तर की कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष सुरेश गढ़वाल, सचिव राजेश कुमार मीणा ज्ञानपुरा, कोषाध्यक्ष रमेशचंद वर्मा, नगरपालिका सचिव दीपेन्द्र गढ़वाल, कार्यकारिणी अध्यक्ष रवि प्रकाश बावड़ी को नियुक्ति देकर तहसील स्तर की जिम्मेदारीयां दी गई। साथ ही पवन गोरा निवासी ईटावा, बदाल का शिक्षक पद पर चयन होने पर महासंघ रींगस द्वारा सम्मानित किया गया। प्रदेश सचिव गोरा ने कहा कि तहसील स्तर की कार्यकारिणी एवं ग्राम पंचायतों में ग्राम ईकाईयों का जल्द ही गठन किया जाये। साथ ही समाज में कुरूतियों को मिटाना, बाल विवाह, दहेज प्रथा व मृत्यु भोज बंद करना, शिक्षा, नशा मुक्ति, पर्यावरण सहित अन्य बातों पर विस्तार से जानकारी दी। तहसील अध्यक्ष गुरावा ने कहा कि महासंघ की ओर से हर तहसील स्तर व कस्बों में अम्बेडकर भवन व बुद्व विहार बनाना, एससी एसटी के आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के लिए निशुल्क जिला स्तर पर एक हजार सीट का छात्रावास बनाया जाये जिससे तैयारी बच्चें डॉक्टर, इंजिनीयर, प्रोफेसर, वैज्ञानिक सहित अनेक पदों पर हासिल कर देश की सेवा में अपना योगदान दे सके, मजदूरी कर रहे या खेती किसानी करते समय परिवार की मुख्या की कई बार दुर्घटना हो जाती है उसके लिए सरकार बीस लाख रूपये तक का मुआवजा व परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की घोषणा करे, विधवा गरीब कमजोर तबके के बच्चों के लिए सरकार अलग से बी.एड, इंजिनीयरिंग, आरएस, नीट सहित अन्य उच्च शिक्षा की कोचिंग निशुल्क व्यवस्था करे, हर पंचायत स्तर पर राज्य सरकार द्वारा अम्बेडकर, ज्योतेबा फूले , भगत सिंह, कबीर, चौधरी छोटूराम सहित अन्य सामाजिक महापुरूषों की लाईब्रेरी खोली जायेगी। इन पांच मांगों को लेकर जिला व उपखण्ड स्तर पर ज्ञापन दिया जायेगा। साथ ही प्रदेश व जिला, तहसील स्तर के पदाधिकारीयों द्वारा मुख्यमंत्री से मिलकर ज्ञापन दिया जायेगा। इस मौके पर एडवोकेट दिनेश बुनकर, बाबूलाल सिंगला, संजय वर्मा, राहुल, सुशील वर्मा जैतूसर सहित आस पास के गांवों के सेकड़ो लोग मौजूद थे।

पूर्व विधायक किशनाराम नाई श्रीडूंगरगढ़ भाजपा परिवार में शामिल

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

बीकानेर। श्रीडूंगरगढ़ के पूर्व विधायक राजस्थान प्रान्तीय सेन समाज उत्थान समिति के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष तथा वर्तमान संरक्षक तथा बीकानेर चूरू जिले के पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष नगरपालिका के पूर्व चेयरमैन भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में समर्थकों के साथ भाजपा प्रदेश कार्यालय जयपुर पहुंचे। वहां भाजपा में शामिल होने का आवेदन किया। जिसे स्वीकार किया गया।

भाजपा संगठन के राष्ट्रीय सचिव प्रदेश प्रभारी अरूण सिंह प्रदेशाध्यक्ष श्री सी पी जोशी प्रदेश संगठन मंत्री चन्द्र शेखर पूर्व मंत्री वासुदेव देवनानी ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण करवाई। किशनाराम नाई द्वारा भाजपा जोइन करने पर किशनाराम जी नाई के साथ आये समर्थकों ने जय भाजपा विजय भाजपा तय भाजपा का जोशीला जय घोष किया। भाजपा के साथ परिवर्तन लाये। इस अवसर पर भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष ताराचंद सारस्वत के सुपुत्र राजेश सारस्वत ने भी भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचकर किशनाराम नाई को माला पहनाकर स्वागत किया। राजस्थान प्रान्तीय सेन समाज उत्थान समिति के प्रदेश महामंत्री तोलाराम मारू ने बताया कि किशनाराम नाई को भाजपा मे शामिल करने से पार्टी में न ई ऊर्जा आयेगी। भाजपा में शामिल होकर किशनाराम नाई के जयपुर से श्रीडूंगरगढ़ रास्ते में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा जगह-जगह स्वागत सम्मान किया जायेगा। सम्पूर्ण बीकानेर जिले में अपार खुशी हुई। जिन्होंने भाजपा के लिए गांव गांव ढाणी ढाणी तक प्रचार प्रसार किया। केशकला बोर्ड के पूर्व चेयरमैन मोहन मोरवाल तथा जयपुर के सोभाग गोठडिया ने डा दिलीप सिंह राजपुरोहित सुजान गढ़ के भामाशाह विनोद गोठडिया ने भी माला पहनाकर बधाई दी।

ANCHOR राष्ट्रीय दशहरा मेला-2023

स्कूली प्रतिभाओं को मंच देने के उद्देश्य से पालिका में आयोजित हुई बैठक

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

निम्बाहेड़ा। नगरपालिका द्वारा आगामी 15 अक्टूबर से 24 अक्टूबर तक आयोजित किये जाने वाले राष्ट्रीय दशहरा मेला-2023 में नगर के स्कूलों की प्रतिभाओं को उचित मंच देने के उद्देश्य से नगरपालिका सभागार में सोमवार को पालिकाध्यक्ष व मुख्य मेला समिति अध्यक्ष सुभाष चन्द्र शारदा,उपाध्यक्ष व मुख्य मेला समिति सदस्य परवेज़ अहमद (शिब्बी), मीरा रंगमच संयोजक मनोज पारख, दुकान आवंटन समिति संयोजक रवि प्रकाश सोनी, मीरा रंगमच सदस्य जावेद खान, रामलीला आयोजन समिति संयोजक ओमप्रकाश शर्मा की उपस्थिति में एक बैठक आयोजित की गई।

मीरा रंगमच संयोजक मनोज पारख ने बताया कि बैठक में नगर के सरकारी व गैर सरकारी स्कूलों के प्रिंसिपल व प्रतिनिधियों ने भाग लेकर मेले के प्रथम दिन आयोजित किए जाने वाले इस स्थानीय कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु अपने अपने सुझाव दिए।नगर के स्कूली बच्चों के इस कार्यक्रम को आयोजित करने व सफल बनाने के उद्देश्य से सर्वसम्मति से सात सदस्यीय कमेटी बनाई गई। जिसमें ओमप्रकाश शर्मा, अनिल सोमाणी, बीएम राठी, नीतू गुप्ता, कमलेश वैष्णव, राजेन्द्र शर्मा, प्रिया सिसोदिया को रखा गया। मीरा रंगमच सदस्य जावेद खान ने बताया कि कमेटी के सदस्य नगर के सरकारी व निजी विद्यालयों के बालक-बालिकाओं के कार्यक्रम को बेहतर से बेहतर बनाने के लिए मार्गदर्शन करेंगी।यह कमेटी समस्त विद्यालयों से आवेदन प्राप्त कर कार्यक्रम में भाग लेने के लिए सुनिश्चित करेगी। कार्यक्रम के लिए नगरपालिका द्वारा प्रति विद्यालय को 12000 रुपये की राशि दी जाएगी एवं कार्यक्रम के पश्चात प्रतिभाओं को पुरस्कृत किया जाएगा। बैठक में सरकारी व निजी विद्यालयों के संचालक व प्रतिनिधि उपस्थित थे।

राजकीय मॉडल विद्यालय में 67 वीं जिला स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता का उद्घाटन

मांडलगढ़ @ जागयक जनता। 17 एवं 19 वर्षीय छात्र-छात्रा आयु वर्ग की 67 वी जिला स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता का उद्घाटन राजकीय स्वामी विवेकानंद मॉडल विद्यालय में हुआ। प्रतियोगिता में 31 टीमें और 125 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। मुख्य निर्णायक अशोक पोरवाल व सीमा वर्मा के नेतृत्व में निर्णायक लगाए गए ,जो प्रतियोगिता को संपन्न करवाएंगे। उद्घाटन समारोह की शुरुआत मां सरस्वती के द्वीप प्रज्वलन से हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व विधायक विवेक धाकड़, अध्यक्षता नगर पालिका अध्यक्ष जफर टॉक, अति विशिष्ट अतिथि पूर्व प्रधान गोपाल मालवीय, अतिथि मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी दिनेश पुरोहित ने की। मुख्य अतिथि द्वारा सभी खिलाड़ियों को शपथ दिलाई गई। प्रतियोगिता की शुरुआत विवेक धाकड़ एवं गोपाल मालवीय द्वारा टेबल टेनिस खेल कर की गई। प्रधानाचार्य राजेंद्र सिंह राणावत ने आगंतुक अतिथियों का स्वागत सत्कार किया एवं प्रतियोगिता की जानकारी दी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व विधायक विवेक धाकड़ ने कहा कि हर ब्लॉक स्तर पर सरकार ने मॉडल स्कूल खोले ताकि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को शिक्षा मिले। हमे शिक्षा के साथ साथ खेलो पर भी ध्यान देना होगा ताकि शारिरिक विकास भी हो सके। अति विशिष्ट अतिथि पूर्व प्रधान गोपाल मालवीय ने कहा कि खेल में कभी हार व जीत नहीं होती वह तो प्रथम व दुसरा स्थान होता है। हार जीत तो हमारे प्रतियोगिता में होती है जो हर 5 साल में आता है । समारोह के अध्यक्ष पालिका चेयरमेन जफर टांक ने खुले शब्दो में कहा कि हम विकास के काम में विश्वास रखते है शिक्षा के मंदिर में

सूचना

मेरा अभिभाष्य भंवर सिंह पुत्र स्व. श्री हजारी लाल, जाति-जाट, उम्र-50 वर्ष, निवासी नांगल गोविन्द तहसील चौमूं जिला जयपुर राज. का बड़ा पुत्र जयवीर सिंह नशा व सट्टेबाजी के आपराधिक कार्यों में लिप्त रहता है जिससे मेरा अभिभाष्य व परिवारजन काफी परेशान है। आज के बाद मेरे बड़े पुत्र जयवीर सिंह द्वारा किये गये किसी गलत कार्य के लिए तथा देन-दारी के लिए मेरा बड़ा पुत्र जयवीर सिंह स्वयं जिम्मेदार रहेगा। आज के बाद मेरी चल-अचल सम्पत्ति से मेरे बड़े पुत्र जयवीर सिंह का कोई सम्बन्ध सारोकार नहीं रहेगा।

दीपचंद बलौदा, एडवोकेट, रींगस
दिनांक-14.09.2023

महाविद्यालय की छात्रा ने अखिल भारतीय क्विज मैराथन में हासिल किया प्रथम स्थान

केकड़ी @ जागरूक जनता। यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ़ होम्योपैथी , केकड़ी की बी एच एम एस द्वितीय वर्ष की छात्रा तेहरीन अंसारी के अखिल भारतीय क्विज मैराथन, 2023, में राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्राचार्य डॉ पुनीत आर शाह ने बताया की बी जैन बुक्स द्वारा यह प्रतियोगिता सभी होम्योपैथी कॉलेजो के छात्रों हेतु आयोजित की गई थी।

आदर्श को-ऑपरेटिव बैंक लि.
शाखा जालोर दूरभाष : (02973) 222839 मो. 9251025127, 9414152565)

नीलामी सूचना (नियम 8(6))

[प्रतिभूति वित्तीय आस्तियों के पूर्ननिर्माण व प्रतिभूतिहीत का प्रवर्तन अधिनियम 2002 (SARFAESI Act 2002) के नियम 9 के साथ पठित धारा 13(12) के अधिन]

यतः सिक्युरिटाईजेशन एण्ड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फाइनेंशियल एसेट्स एण्ड इन्फोर्समेंट ऑफ सिक्युरिटी इन्ट्रस्ट, 2002 (सिक्युरिटाइजेशन एक्ट) के अधीन आदर्श को-ऑपरेटिव बैंक लि., तीन बत्ती, सिरोही का प्राधिकृत अधिकारी होने तथा सिक्युरिटी इन्ट्रस्ट (इन्फोर्समेंट) नियम, 2002 के नियम 9 के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मुझ अधोहस्ताक्षरी ने धारा 13(2) एवं 13(4) के अधीन हमारी जालोर शाखा के ऋणी एवं रहनकर्ता श्री नाथुसिंह पुत्र श्री रामसिंह सिन्दल के स्वयं के नाम की बैंक में रहनशुदा सम्पति जो जैसा है जहां है जिस हालात में स्थित है के आधार पर नीलामी दिनांक 29.11.2023 बुधवार को प्रातः 11 बजे से सांय 4 बजे तक मौके पर रखी गई हैं। अतः ऋणी, जमानातियों व जनसाधारण को एतद्दवारा सूचित किया जाता है कि इच्छुक खरीददार मौके पर उपस्थित होकर बोली में भाग लेवे।

नोट :– सम्पति की डिस्ट्रेज वेल्यू रू 6,50,000/–है। अतः नीलामी मे हिस्सा लेने हेतु धरोहर राशि 10 प्रतिशत वेल्यू की जमा करानी होगी एवं नीलामी छुटने के बाद सफल बोलीदाता को बोली की 25 प्रतिशत राशि जमा करवानी होगी। अन्य जानकारी नीलामी स्थल पर बताई जायेगी।

अधिग्रहण सम्पति का विवरण

सम्पति के सभी अंश व अंग गठित होते है जो अचल सम्पति भागली सिन्धल तहसील व जिला जालोर (राज.) जिसका क्षेत्रफल 2700 वर्गफीट है। पट्टा नं. 464/2015–16 पट्टा दिनांक 24.06.2015 मिसाल संख्या 01/2015–16 यह सम्पति उप पंजीयन कार्यालय जालोर द्वारा दिनांक 03.07.2015 को पुस्तक संख्या 1, जिल्द संख्या 613, पेज संख्या 108, क्रम.सं. 2015002759 पर पंजीकृत किया गया है। जिसकी चतुदर्शी निम्न प्रकार से है :–

पूर्व में – आम रास्ता 45 फीट, पश्चिम में – आम रास्ता व प्रवेश द्वार भुजा 45 फीट, उत्तर में – श्री मदनसिंह पुत्र जब्बरसिंह का मकान भुजा 60 फीट एवं दक्षिण में – श्री मगसिंह पुत्र बलवन्तसिंह का मकान भुजा 80 फीट

स्थान : सिरोही, राजस्थान
दिनांक : 16.09.2023

प्राधिकृत अधिकारी
आदर्श को–ऑपरेटिव बैंक लि.

R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758
डाक पंजीयन सं. : jaipurcity/105/2021-23

लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पेश

महिला सांसदों की संख्या 181 होगी, लेकिन यह 2024 में लागू नहीं होगा

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। लोकसभा में आज 19 सितंबर को 128वां संविधान संशोधन बिल यानी नारी शक्ति वंदन विधेयक पेश किया गया। इसके मुताबिक, लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33% रिजर्वेशन लागू किया जाएगा। इस फॉर्मूले के मुताबिक, लोकसभा की 543 सीटों में 181 महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। लोकसभा में इस बिल पर कल 20 सितंबर को सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक बहस होगी। नए विधेयक में सबसे बड़ा पेंच ये है कि यह डीलिमिटेशन यानी परिसीमन के बाद ही लागू होगा। ये परिसीमन इस

विधेयक के बाद होने वाली जनगणना के आधार पर ही होगा। 2024 में होने वाले आम चुनावों से पहले जनगणना और परिसीमन करीब-करीब असंभव है। यानी विधानसभा और लोकसभा के चुनाव समय पर हुए तो इस बार महिला आरक्षण लागू नहीं होगा। यह 2029 के लोकसभा चुनाव या इससे पहले के कुछ विधानसभा चुनावों से लागू हो सकता है।

बिल के पास होने के बाद लोकसभा में 181 महिला सांसद होंगी

कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कहा कि हम ऐतिहासिक बिल लाने जा रहे हैं। अभी लोकसभा में 82 महिला सांसद हैं, इस बिल के पास होने के बाद 181 महिला सांसद हो जाएंगी। यह आरक्षण सीधे चुने जाने वाले जन प्रतिनिधियों के लिए लागू होगा। यानी यह राज्यसभा और राज्यों की विधान परिषदों पर लागू नहीं होगा। लोकसभा की कार्यवाही 20 सितंबर तक के लिए स्थगित कर दी गई है। महिला आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस ने श्रेय लेने की कोशिश की। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी के बयान पर हंगामा हुआ। उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह के कार्यकाल के दौरान बिल लाया गया था। यह बिल अभी मौजूद है। इस पर गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि हम नया बिल लाए हैं। आप जानकारी दुरुस्त कर लीजिए। इसके बाद विपक्षी सांसदों ने बिल की कॉपी को लेकर हंगामा किया। इनका कहना था कि उन्हें बिल की कॉपी नहीं मिली है। सरकार का कहना था कि बिल को अपलोड कर दिया गया है।

मोदी ने कहा- भवन बदला है, भाव भी बदलना चाहिए

कौन कहां बैठेगा, व्यवहार तय करेगा

अभी चुनाव तो दूर हैं और जितना समय हमारे पास बचा है। मैं मानता हूं कि यहां जो जैसा व्यवहार करेगा, यह निर्धारित करेगा कि कौन यहां बैठेगा, कौन वहां बैठेगा। जो वहां बैठे रहना चाहता है, उसका व्यवहार क्या होगा, इसका फर्क आने वाले समय में देश देखेगा।'

हमारा भाव जैसा होता है, वैसा ही घटित होता है

'**हमारा** भाव जैसा होता है, वैसे ही कुछ घटित होता है। यद् भावं तद भवति...! मुझे विश्वास है कि भावना भीतर जो होगी, हम भी वैसे ही भीतर बनते जाएंगे। भवन बदला है, भाव भी बदलना चाहिए, भावनाएं भी बदलनी चाहिए। संसद राष्ट्रसेवा का स्थान है। यह दलहित के लिए नहीं है।

आज की तारीख इतिहास में अमरत्व प्राप्त करेगी

कल 18 सितंबर को ही कैबिनेट में महिला आरक्षण विधेयक को मंजूरी दी गई है। आज 19 सितंबर की यह तारीख इसलिए इतिहास में अमरत्व प्राप्त करने जा रही है। आज महिलाएं हर क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रही हैं, नेतृत्व कर रही हैं तो बहुत आवश्यक है कि नीति निर्धारण में हमारी मांएं-बहनें, हमारी नारी शक्ति अधिकतम योगदान दें। योगदान ही नहीं, महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाएं।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम

देश की नारी शक्ति के लिए सभी सांसद मिलकर नए प्रवेश द्वार खोल दें, इसका आरंभ हम इस महत्वपूर्ण निर्णय से करने जा रहे हैं। महिलाओं के नेतृत्व में विकास के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए हमारी सरकार एक प्रमुख संविधान संशोधन विधेयक पेश कर रही है। इसका उद्देश्य लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी को विस्तार देना है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से हमारा लोकतंत्र और मजबूत होगा।

बिल पर काफी चर्चा हुई, वाद-विवाद हुए

कई सालों से महिला आरक्षण के संबंध में बहुत चर्चा हुई। काफी वाद-विवाद हुए। महिला आरक्षण को लेकर संसद में पहले भी कुछ प्रयास हुए हैं। 1996 में इससे जुड़ा विधेयक पहली बार पेश हुआ। अटल जी के कार्यकाल में कई बार महिला आरक्षण विधेयक पेश किया गया, लेकिन उसे पास कराने के लिए आंकड़े नहीं जुटा पाए और उस कारण से वह सपना अधूरा रह गया। महिलाओं को अधिकार देने, उन्हें शक्ति देने जैसे पवित्र कामों के लिए शायद ईश्वर ने मुझे चुना है।

आयुर्वेद विश्वविद्यालय जोधपुर

पदोन्नति से शिक्षक हुए खुश, कुलपति प्रो. प्रजापति का जताया आभार

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जोधपुर। डॉ. एस. आर. राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय जोधपुर के संघटक आयुर्वेद महाविद्यालय पोस्ट ग्रेजुएट इन्स्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद में कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति ने राज्य सरकार एवं कुलाधिपति द्वारा सेवा नियमों में संशोधन करवा कर कार्यरत शिक्षकों को पदोन्नति का लाभ दिया। सन् 2019 मे पदोन्नति के जो नियम बनाये गये थे, उन नियमों में विसंगतियां होने के कारण पदोन्नति संभव नहीं हो पायी थी। कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति ने नवम्बर 2022 में कुलपति पद ज्वाइन किया तथा 9 माह के अल्प समय में पदोन्नति नियमों में राज्य सरकार से संशोधन करवाकर गजट नोटिफिकेशन करवाया। जिसके बाद शिक्षकों की पदोन्नति सितम्बर 2023 में सम्भव हो सकी। राजस्थान आयुर्वेद राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय शिक्षक संघ ने कुलपति, कुलसचिव सीमा कविया, वित नियन्त्रक मंगलाराम विश्नोई एवं सहायक कर्मचारियों का इस कार्य के लिए आभार जताया। शिक्षकों ने कुलपति को आश्वस्त किया कि उनकी इच्छा के अनुरूप विश्वविद्यालय को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का पूर्ण प्रयास करेंगे।

प्रयास किए तो सफल भी हुए

मेरी ज्वाइनिंग के बाद पदोन्नति मामला मेरे संज्ञान में लाया गया। मामले की जटिलता को समझते हुए सीएमओ, राजभवन तक प्रयास किए। पदोन्नति नियमों में संशोधन करवाकर गजट नोटिफिकेशन जारी करवाया। जिससे पदोन्नति का रास्ता खुल सका। मेरा अगला प्रयास रहेगा कि विश्वविद्यालय में ENT(शालाक्य) एवं विकृति विज्ञान (pathology) मौलिक सिद्धान्त besic principal में पीजी व्यवस्था शुरू करवाई जा सके। जिसके बाद विश्वविद्यालय का पूर्ण उपयोग हो सकेगा।

प्रो.(वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति, कुलपति, डॉ सर्वेपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय जोधपुर

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट
»मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
»सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
»असाध्य घाव/शुगर के घाव
»कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
»अचानक बहरापन (Hearing Loss)
»डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.
नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सैन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर
Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur
E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

घर बैठे ऑनलाइन कक्षाओं से भी कर सकेंगे 10वीं-12वीं की पढ़ाई

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

शिक्षक दिवस पर हुआ था शुभारंभ

बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों के लिए लाइव कक्षा संचालित करने का शुभारंभ गत दिनों मुख्यमंत्री ने जयपुर में किया था। शिक्षक दिवस के राज्य स्तरीय कर्यक्रम में स्कूल ऑफ्टर स्कूल कार्यक्रम की शुरुआत की गई थी। यह कार्यक्रम राजस्थान स्कूल शिक्षा विभाग एवं मिशन ज्ञान का एक संयुक्त प्रयास है, जिसमें ऑनलाइन लाइव कक्षाओं के माध्यम से बोर्ड परीक्षाओं के महत्वपूर्ण विषयों का शिक्षण करवाया जाएगा।

बीकानेर। नामचीन कोचिंग संस्थाओं की ऑनलाइन क्लास की तर्ज पर शिक्षा विभाग ने भी एक नई पहल की है। इसमें घर बैठे विद्यार्थी ऑनलाइन क्लास में शामिल होकर अपना पिछड़ा पाठ्यक्रम भी पूरा कर सकेगा और इस क्लास का रिकॉर्डेड वर्जन देख-सुन कर पाठ्यक्रम को दोहरा भी सकेगा। इससे जहां उसका शिक्षण स्तर ऊपर उठेगा, वहीं बोर्ड के रिजल्ट पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। शिक्षा विभाग ने इस व्यवस्था को स्कूल ऑफ्टर स्कूल नाम दिया है। विभाग की इस पहले से यदि किसी स्कूल में विषय अध्यापक का अभाव है या फिर विद्यार्थी किन्हीं वजहों से नियमित रूप से स्कूल नहीं आ पा रहा है, तो उसे पाठ्यक्रम को पूरा करने में दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ेगा। विद्यार्थी इस नुकसान की भरपाई लाइव कक्षाओं में शामिल होकर कर सकेगा।

फिलहाल, यह सुविधा केवल कक्षा 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों के लिए ही उपलब्ध होगी। इसमें बोर्ड परीक्षाओं के सभी विषयों का अध्ययन कराया जाएगा। पहले चरण में कुछ विषयों का चयन भी कर लिया गया है। यह प्रयास सफल होने के बाद अन्य विषयों को भी लाइव कक्षाओं से जोड़ा जाएगा। गौरतलब है कि कई ऐसे विद्यार्थी भी हैं, जो घर की परिस्थितियों की वजह से नियमित रूप से स्कूल नहीं आ सकते। यह व्यवस्था उनके लिए संजीवनी का काम करेगी। साथ ही यह उन विद्यार्थियों के लिए भी वरदान साबित होगी, जो पढ़ाई में कुछ कमजोर होते हैं और संकोच में शिक्षक से सवाल नहीं कर पाने की वजह से विषय को सही तरीके से समझ नहीं पाते। उनके लिए पाठ्यक्रम पूरा करने का यह सुनहरा मौका होगा।

पहले चरण में इन विषयों की कक्षा

पहले चरण में कक्षा 10 के गणित, विज्ञान एवं सामाजिक अध्ययन की लाइव क्लास शुरू होगी। जबकि कक्षा 12 के लिए गणित, जीवविज्ञान, इतिहास, राजनीति विज्ञान एवं सामाजिक अध्ययन विषय की सजीव कक्षाएं संचालित की जाएंगी।

लाइव कक्षा का समय

बोर्ड परीक्षा के विद्यार्थियों के लिए सप्ताह में पांच दिन लाइव कक्षा का संचालन किया जाएगा। यह कार्यक्रम सोमवार से शुक्रवार तक जारी रहेगा। इसका समय शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक निर्धारित किया गया है।

यह है उद्देश्य

विद्यालय समय के उपरांत विद्यार्थियों के लिए शिक्षण व्यवस्था का अवसर प्रदान करना। विषय शिक्षक का पद रिक्त रहने अथवा शिक्षक तथा विद्यार्थी के अवकाश पर रहने की स्थिति में विषय शिक्षण को निरन्तर रखना। विद्यार्थियों के अधिगत स्तर एवं बोर्ड परीक्षा परिणाम में गुणात्मक सुधार करना। विद्यार्थी विषयगत शंका का समाधान देना।

रिकॉर्डिंग भी कर सकेंगे

यू ट्यूब चैनल पर ये कक्षाएं नियत समय पर लाइव रहेंगी। लाइव कक्षा की रिकार्डिंग की सुविधा के साथ ही पूरा सत्र यू ट्यूब चैनल पर भी उपलब्ध रहेगा। विद्यार्थी एवं शिक्षक आवश्यकतानुसार इसे देख कर अध्ययन कर सकेंगे। लाइव कक्षा की अध्ययन सामग्री एवं प्रश्नोत्तरी की पीडीएफ भी मिशन ज्ञान ऐप से डाउनलोड की जा सकेगी। इसके अलावा लाइव कक्षा के दौरान अध्ययन संबंधी जिज्ञासा को विद्यार्थी कमेंट बॉक्स में लिख सकेगा, जिसका समाधान कक्षा के दौरान अथवा आगामी कक्षा में शिक्षक की ओर से किया जा सकेगा। साथ ही सभी संस्था प्रधानों का दायित्व रहेगा कि लाइव क्लासेस का लिंक विद्यार्थियों को प्रतिदिन उपलब्ध कराया जाए।

जागरूक जनता
www.jagrukjanta.com
विश्वसनीय समाचार पत्र
जी हाँ,यदि आपको अपने प्रतिष्ठान का व्यापार का विज्ञापन देना है तो जागरूक जनता समाचार पत्र द्वारा पूरे राजस्थान के साथ-साथ 4 अन्य राज्यों में आपका विज्ञापन प्रसारित किया जायेगा।
जो दिखेगा वही बिकेगा
आज ही बुक करें विज्ञापन

आपके व्यापार की तरक्की
जागरूक जनता के साथ
विज्ञापन क्लासीफाइड डिस्प्ले प्रॉपर्टी वैवाहिक
विज्ञापन बुक करें : 9928022718 9829329070

टूटे दिलों का मजबूत जोड़ है क्षमा-जय श्री जीमसा

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। ओजस्वी वक्ता दिवाकर ज्योति जय श्री जी म सा ने मंगलवार को खातर महल में पर्यूषण पर्व के आठवें दिन धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन जिन शासन के क्षेत्र में बहुत ही महत्वपूर्ण दिन है।आज सभी को यह पांच काम विशेष रूप से करने होते हैं , पहले आप सभी को उपवास करना है, दूसरा कार्य दिमाग में गलत सोच और गलत विचार नहीं लाना है।तीसरा कार्य स्वयं की आलोचना करनी है और चौथा कार्य प्रतिक्रमण करना है और प्रतिक्रमण के बाद सभी से सबसे क्षमा याचना करनी है।यह पांचो कार्य सभी श्रावक श्राविकाओं को अनिवार्य रूप से करने चाहिए। उन्होंने असली क्षमा की पहचान है कि अपने दुश्मनों से क्षमा मांगकर अतीत के अपराधों को भूल कर उनसे गले मिलना। क्षमा में यदि दिल से दिल न मिलें और सिर्फ होंठ ही हिलें तो यह नकली क्षमा याचना कहलाएगी। टूटे दिलों को मजबूती से जोड़ने का फेविकोल है क्षमा। धर्म सभा में राजश्री जी म सा ने कहा कि ये पर्व हमारी आत्मा को निर्मल, पावन एवं उत्तम बनाने का अवसर है ।आज का दिन स्वयं की आलोचना करने का दिन है।आज हमारी स्वयं की रिपोर्ट कार्ड बनाने का दिवस है। इस पावन दिवस पर तीन संकल्प करें जिसमें पहला संकल्प लें कि किसी की भी निंदा नहीं करेंगे। दूसरा संकल्प लें कि आज उपवास, तप करेंगे और तीसरा संकल्प लें कि सभी से क्षमा मांगेंगे और क्षमा करेंगे।प्रेम माफी मांगना पसंद करता है और अहंकार माफी सुनना पसंद करता है। आलोचक केंची की तरह होता है और प्रशंसक सुई की तरह होता है ।

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039